दैनिक
सच्चे दिन

वर्ष-06 | अंक-207 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

मुख्यमंत्री ने एलीवेटेड कॉरिडोर की एक भुजा मंडी मे उतारने की घोषणा की: बोले-

देश और प्रदेश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश और प्रदेश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के खातों में सीधे भेजी जा रही हैं। इसमें मध्यप्रदेश सरकार भी अपनी ओर से 6000 रु प्रति वर्ष प्रति किसानों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि दे रही है। इस तरह दोनों योजनाओं को मिलाकर प्रत्येक किसान को वर्ष में 12 हजार रूपये दिये जा रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में और विदेश में प्रधानमंत्री ने देश का मान बढ़ाया है। राज्य सरकार ने किसानों को बिजली, पानी व सड़क आदि मुहैया कराने के साथ किसान सम्मान निधि व लाडली बहन जैसी योजनाएँ लागू कर किसानों एवं महिलाओं को लाभान्वित किया है।



आगर रोड पर बन रहे हैं एलिवेटेड कॉरिडोर की एक भुजा कृषि उपज मंडी में उतरेगी

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आगर नाके से लेकर के हरि फाटक तक बन रहे एलिवेटेड मार्ग की एक भुजा किसानों की मांग पर मंडी में उतारी जाएगी। इससे आगर रोड पर होने वाला जाम समाप्त हो जाएगा और किसानों के ट्रैक्टर/ वाहन सीधे मंडी में पंहुच सकेंगे। मुख्यमंत्री पीएम किसान सम्मान निधि राशि अंतरण कार्यक्रम में शामिल हुए प्रदेश के 80 लाख किसान हुये लाभान्वित.

प्रधानमंत्री ने सिंगल क्लिक से 18680 करोड़ रूपये किसानो के खाते में अंतरित किये

प्रधानमंत्री ने पीएम किसान निधि सम्मान निधि योजना के तहत 24वीं किस्त का हस्तांतरण किया। इस अवसर पर उज्जैन के कृषि उपज मंडी प्रांगण में किसानों एवं व्यापारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा 24वीं किस्त के रूप में देश के कुल 9.34 करोड़ किसानों को 18680 करोड़ रु की राशि उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक से सीधे अंतरित की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि पी एम किसान योजना से मध्यप्रदेश के 80 लाख और उज्जैन जिले के 2 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को गुजरात के बनासकांठा जिले के भिलड़ी गाँव से योजना की 24वीं किस्त जारी की। देश के 9.34 करोड़ से अधिक पात्र किसान के खातो में सीधे राशि का अंतरण किया गया।

एमपी के 12 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स का डीए-डीआर 2प्रतिशत बढ़ा

जनवरी से मिलेगा फायदा, तीन किस्तों में आएगा 9 महीने का एरियर

भोपाल। केंद्र सरकार के बाद अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी 12 लाख कर्मचारियों-अधिकारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनर्स की महंगाई राहत में 2प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जनवरी 2026 से लागू होगा।



जनवरी से सितंबर तक के 9 महीने के एरियर का भुगतान तीन बराबर मासिक किश्तों में किया जाएगा। वहीं, अक्टूबर के वेतन के साथ नवंबर में बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान किया जाएगा। सरकार ने इसके आदेश भी जारी कर दिए हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- अक्टूबर माह के वेतन (नवंबर में देय) से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान होगा। पेंशनर्स के लिए भी महंगाई राहत में जुलाई 2026 से 2प्रतिशत वृद्धि की जाएगी। केंद्र सरकार ने 28 अक्टूबर को केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 3प्रतिशत बढ़ाकर 63प्रतिशत किया था।

नवंबर में मिलेगा अक्टूबर का भत्ता और तीन माह का एरियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ट्वीट के बाद वित्त विभाग ने 2प्रतिशत बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता देने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके मुताबिक, नौ माह का एरियर तीन समान किस्तों में नवंबर और दिसंबर 2026 तथा जनवरी 2027 में दिया जाएगा।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला.... 40 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी, नौसेना को मिलेंगे 8 नए युद्धपोत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की मारक क्षमता को मजबूत करने के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट



समिति (सीसीएस) ने आठ नेक्स्ट-जेनरेशन कार्वेट (एनजीसी) के निर्माण की महत्वाकांक्षी परियोजना को हरी झंडी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के इस सौदे को मंजूरी प्रदान की गई। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, इन आठ युद्धपोतों के निर्माण के अनुबंध पर अगले कुछ दिनों में कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के साथ हस्ताक्षर किया जाएगा। कार्वेट करीब 2,000 टन वजन वाले हल्के और बेहद फुर्तीले युद्धपोत होते हैं, जिनकी अधिकतम गति लगभग 30 समुद्री मील (नॉटिकल माइल) तक हो सकती है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामला: सोनीपत से अमन गिरफ्तार, अब तक हो चुकीं 12 गिरफ्तारियां

सोनीपत। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मामले में एक और गिरफ्तारी हुई है। यह इस मामले में कुल 12वीं गिरफ्तारी है। मुंबई



पुलिस ने सोनीपत के रोहणा गांव से अमन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अमन को देर रात पूछताछ के बाद पकड़ा गया। वह पहले गिरफ्तार हो चुके कुणाल का दोस्त बताया जा रहा है। मुंबई पुलिस ने अमन के बैंक खाते में पैसों का लेनदेन पाया। इसी वित्तीय लेनदेन के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। मुंबई पुलिस अब अमन को कोर्ट में पेश करेगी।

बोस्निया में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा... यूरोपीय संघ के शांति मिशन के चार कर्मियों की मौत, 11 घायल, जांच शुरू

साराजेवो। बोस्निया-हर्जेगोविना के उत्तरी इलाके में यूरोपीय संघ के शांति मिशन (ईयूफोर) का एक हेलीकॉप्टर



दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार चार कर्मियों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। ईयूफोर ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। हादसा ब्रचको शहर के आसपास हुआ। इटली का सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल था। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार पोर्टल क्विक्स ने घटनास्थल की तस्वीरें प्रकाशित की हैं, जिनमें हेलीकॉप्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में एक मैदान में पड़ा दिखाई दे रहा है। ईयूफोर ने बताया कि दुर्घटना की गहन और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी बाद में साझा की जाएगी। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई।

आलू से सोना पर मोदी का तंज: कहा- बनासकांठा का आलू विश्व प्रसिद्ध

यहां आकर कोई नहीं कहता कि इससे सोना बनाएंगे

बनासकांठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा में कहा कि यहां का आलू दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, बनासकांठा में आकर कोई नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के लोग पहले ही आलू से सोना बना रहे हैं। मोदी की सभा में किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों की जगह चारपाइयां बिछाई गई थीं। इस पर उन्होंने कहा कि देश के लोगों के लिए यह अजूबा होगा कि एक सभा में सभी लोग चारपाई पर बैठे हैं। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की इस पुरानी परंपरा को जिंदा रखा है। अगर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड वालों को बुलाया होता तो यह रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता। इस दौरान पीएम ने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.34 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों को ?18,690 करोड़ से अधिक की रकम मिलेगी। उन्होंने ?14 हजार करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही दो नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई।



मोदी बोले- हमें पानी-बिजली बचाना है

पीएम ने कहा- जीवन के अंतिम क्षण तक आपकी सेवा में जुटा रहूंगा। आपको पुरानी बातें याद होंगी। 25 साल पहले यहां बिजली पानी की समस्या थी। मैं कहता था हमें बिजली पानी बचाना होगा। लोग विरोध करते थे मोदी कौन होता है जो ये बोलता है। मैं आपसे लड़ता रहा और देखिए हम कहां पहुंच गए। मैं आज फिर से कहूंगा पानी बिजली बचाना है। बनासकांठा का आलू आज विश्व प्रसिद्ध है। कोई बनास कांठा वाले को आकर नहीं कहेगा कि आलू का सोना बनाऊंगा वो पहले से सोना बना रहे हैं।

मैंने- सेवा करते हुए 25 साल पूरे किए

पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले 7 अक्टूबर को मुझे सेवक के रूप में काम करते हुए 25 साल पूरे हुए। 7 अक्टूबर 2001 को जब मैंने शपथ ली तो आपने प्रेम दिया। एक एक गुजराती ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैं सामान्य परिवार से निकला जिसके परिवार ने कभी गांव का मुखिया बनने का सपना भी नहीं देखा था उसको आपने लायक समझा। पहले गुजरात फिर देश की सेवा की जिम्मेदारी दी। जनसेवा से राष्ट्रसेवा और गुजरात के विकास से देश का विकास। कैसे करना है कैसे आगे बढ़ना है ये आपने मुझे सिखाया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग कार्यक्रम होगा



राहुल गांधी बोले- यह संविधान बचाने की लड़ाई

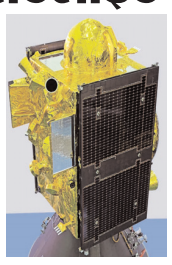
नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आज होने वाला 'सड़क पर संसद' कार्यक्रम शनिवार को होगा। राहुल गांधी ने यह जानकारी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। राहुल ने कहा, हमने आज का कार्यक्रम बारिश के कारण कल करने का फैसला किया है। उसके बाद अगले दिन हम रामलीला मैदान पर मार्च करेंगे।

सपा ने कहा- एमएलसी चुनाव भाजपा ने बेईमानी से जीता

सपा नेता धर्मेंद्र यादव ने कहा, पूरा विपक्ष जो लड़ाई लड़ रहा है उसे देश के लोग अब समझ गए हैं। वे समर्थन कर रहे हैं। यूपी में एमएलसी चुनाव में यह भाजपा को अहसास कराया कि वे कितना पीछे हैं। जो सीट वो जीते हैं वो जुगाड़ बेईमानी से जीते हैं। सभी सीटों पर पढ़े लिखे लोगों ने सपा को मजबूत किया। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने कहा, मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं। हम सभी इस लड़ाई में साथ हैं।

इसरो का नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-03 लॉन्च होगा

नई दिल्ली। इसरो अपना नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-03 लॉन्च करने जा रहा है। इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ18 रॉकेट के जरिए रात 11 बजकर 51 मिनट पर लॉन्च किया जाएगा। इसे NavIC मिशन के तहत लॉन्च किया जाएगा।



नौसेना में शामिल करने के लिए ट्रायल सक्सेसफुल

फ्रेंच नेवी के राफेल की आईएनएस विक्रांत पर पहली लैंडिंग पहली कोशिश में उतरा



पणजी। राफेल मरीन (राफेल-एम) फाइटर जेट ने 29 अक्टूबर को आईएनएस विक्रांत पर पहली कोशिश में सफल लैंडिंग की। आईएनएस विक्रांत भारतीय नौसेना का स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह राफेल मरीन फ्रेंच नेवी का लड़ाकू विमान है। इसे फ्रेंच पायलट उड़ा रहे थे।

राफेल-एम का ये ट्रायल क्यों अहम है

लड़ाकू विमान उड़ाना और उसकी जहाज पर लैंडिंग, सामान्य विमान उड़ाने के मुकाबले बहुत अलग है। राफेल मरीन के मामले में असली चुनौती यही थी कि फ्रांस के लिए तैयार इस विमान को भारतीय जंगी जहाज की तकनीक के अनुकूल बनाया जा सकता है या नहीं।

टेक्नीक

इसमें विमान को उड़ान भरने के लिए कैटापल्ट यानी एक शक्तिशाली लॉन्च सिस्टम की मदद मिलती है।

भूटान में ग्लेशियल लेक फटी, बंगाल-असम में बाढ़ का खतरा-ओडिशा में बाढ़ में 62 हजार लोग फंसे

जयपुर/भोपाल/लखनऊ/पटना, एजेंसी

भूटान में शिंताफू झील से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के बाद पश्चिम बंगाल और असम के बॉर्डर एरिया में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। संकोश नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद बंगाल के अलीपुरद्वार में अलर्ट जारी है। करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। टीम तैनात है। इधर, चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इसके बावजूद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए 14 राज्यों में रेड-ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और ठंडी हवाओं से कई राज्यों में दिन के तापमान में गिरावट आई है। ओडिशा के 3 जिलों गंजाम, गजपति और कंधमाल में बाढ़ आ गई। गंजाम के 300 गांवों का संपर्क टूट गया है। गंजाम और गजपति जिलों में करीब 62 हजार लोग बा?ढ़ में फंसे हैं। एनडीआरएफ की 54 टीमें 120 लोगों को



मप्र में 2 नवंबर तक चक्रवात अर्नब का असर

मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद भी बारिश पीछा नहीं छोड़ रही है। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात अर्नब ने प्रदेश के मौसम का मिजाज बदल दिया है। कहीं तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है तो कहीं बादलों के कारण धूप गायब है। मौसम विभाग ने 2 नवंबर तक प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। शुक्रवार को ग्वालियर, जबलपुर और रीवा समेत 33 जिलों में आंधी और हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बारिश और ठंडी हवाओं का असर तापमान पर भी दिखने लगा है।

एयरलिफ्ट कर चुकी हैं। दिल्ली में गुरुवार की देर रात बारिश हुई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 25.4°C दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले से 6.4°C कम और पिछले चार साल में अक्टूबर का सबसे कम अधिकतम तापमान है। मौसम विभाग ने राजगढ़, विदिशा, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में अलर्ट जारी किया है। वहीं भोपाल, रायसेन, सीहोर, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम, हरदा, शाजापुर, देवास, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में मौसम साफ रहने और धूप निकलने की संभावना है।

आईआरसीटीसी को एक रुपये कम रिफंड देना पड़ गया भारी



कासरगोड, आरएनएन ट्रेन टिकट रद्द कराने पर यात्री को एक रुपये कम रिफंड देना आईआरसीटीसी को भारी पड़ गया। केरल के कासरगोड जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने निगम को बकाया एक रुपये के साथ उस पर नौ प्रतिशत सालाना ब्याज, 100 रुपये मुआवजा और तीन हजार रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है।

आयोग ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। निगम को आदेश के 30 दिनों के भीतर भुगतान करना होगा।

अमेरिकी-इजराइली धर्मगुरु

गाय की पूजा करने का मजाक उड़ाया :कहा-हिंदू गोमूत्र पीते हैं



न्यूयॉर्क। अमेरिका में रहने वाले इजराइली मूल के रब्बी योसी मिजराही ने हिंदुओं के गाय की पूजा करने का मजाक उड़ाया है। उन्होंने भारतीय डॉक्टरों को लेकर भी अपमानजनक टिप्पणी की। मिजराही ने वीडियो में दावा किया कि भारत में लोग गाय का पेशाब पीते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भारतीय डॉक्टर भी ऐसा करते हैं। उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर गायों के बैठने और उनकी वजह से ट्रैफिक रुकने का भी मजाक उड़ाया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारत और इजराइल के लोगों ने उनकी आलोचना की। कई लोगों ने उन्हें नस्लवादी बताया और कहा कि उन्होंने हिंदुओं की धार्मिक परंपराओं का अपमान किया है। वायरल वीडियो में मिजराही भारत के एक व्यक्ति का जिक्र करते हैं। उनका दावा है कि वह व्यक्ति पहले उनके फेसबुक पेज के लिए काम करता था और यहूदी धर्म अपनाना चाहता था। मिजराही ने कहा कि वह व्यक्ति भारत में अपने पिता और भाई के साथ रहता था। वे गाय की पूजा करते थे और उसके सामने झुकते थे। उन्होंने दावा किया कि कुछ हिंदू गाय को घर के ड्राइंग रूम में ले आते हैं। जब गाय फर्श पर पेशाब करती है तो उसे चाटते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोग दवा की दुकानों से गाय का पेशाब खरीदते हैं।

भारतीय डॉक्टरों पर भी अपमानजनक टिप्पणी की

अंडरपास और मार्ग चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाएं, काम के लिए टीम और संसाधन बढ़ाये जाएं- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन । सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों के तहत गुरुवार को संभागायुक्त-सह-सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने हरिफाटक क्षेत्र में प्रस्तावित अंडरपास तथा मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य की गति बढ़ाते हुए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।



संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने हरिफाटक ओवरब्रिज के नीचे प्रस्तावित अंडरपास निर्माण स्थल का निरीक्षण करते हुए कहा कि एलाइनमेंट फाइनल होने के बाद नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग संयुक्त रूप से मौके पर निशान लगाकर कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने दोनों विभागों को आपसी समन्वय के साथ तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि अंडरपास का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके। संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने हरिफाटक चौराहे से निर्माणाधीन अंडरपास के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के साथ मौके पर निरीक्षण कर कार्य को तेज गति से करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक यातायात व्यवस्था तैयार कर कार्य को शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने कवेलू कारखाना चौराहा से नीलगंगा चौराहा तथा नीलगंगा से शांतिनगर होते हुए गेल इंडिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर नगर निगम के इंजीनियरों से निर्माण कार्य की प्रगति और बारिश के बाद किए गए कार्यों की जानकारी ली तथा शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि 2.7 किलोमीटर लंबे एवं 18 मीटर चौड़े मार्ग में आईसी चैंबर एवं सीवर का कार्य पूर्ण हो चुका है। मार्ग के दोनों ओर नाली निर्माण तथा पोल शिफ्टिंग का कार्य भी पूरा किया जा चुका है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्माण कार्य कराने वाले विभागों के इंजीनियरों को अनिवार्य रूप से निर्माण स्थल पर उपस्थित रहकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति, दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का प्रतिदिन मौके पर निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाने है। इसी उद्देश्य से निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि मौके पर जाकर काम में किसी तरह की समस्या होने पर समाधान कर आपसी समन्वय के साथ काम तेज गति से किये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नेहा जैन, अपर मेला अधिकारी श्री ओमप्रकाश सनोडिया सहित नगर निगम के अधिकारी, इंजीनियर एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मिर्ची की खेती से किसान को मिल रही अतिरिक्त आय

उज्जैन । आधुनिक कृषि तकनीकों और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन को अपनाकर किसान खेती को लाभ का बेहतर माध्यम बना सकते हैं। इसी का उदाहरण ग्राम अमलाखेड़ी, तहसील तराना, जिला उज्जैन के किसान श्री विशाल पाटीदार हैं, जो उद्यानिकी विभाग से जुड़कर विभाग द्वारा सुझाई गई मिर्ची की वैरायटी की खेती कर रहे हैं और इसके साथ गेंदे के फूलों की खेती से अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर रहे हैं।

किसान श्री पाटीदार ने एक बीघा खेत में मिर्ची की फसल लेने के लिए जून माह में पौध तैयार की तथा जुलाई माह में खेत में रोपाई की। फसल में पानी के बेहतर प्रबंधन और नमी बनाए रखने के उद्देश्य से उन्होंने ड्रिप सिंचाई पद्धति एवं मल्चिंग तकनीक का उपयोग किया। इन आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर वे फसल प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित बना रहे हैं।

मिर्ची के साथ गेंदे की खेती, अतिरिक्त आय का माध्यम



किसान श्री पाटीदार ने मिर्ची की फसल के बीच गेंदे के फूलों के पौधे भी लगाए हैं। इस प्रयोग से उन्हें मिर्ची के साथ गेंदे के फूलों की उपज प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। गेंदे की अंतरवर्तीय खेती से अतिरिक्त आय का माध्यम तैयार हुआ है। साथ ही, गेंदे के पौधे कुछ कीटों के प्रबंधन में सहायक हो सकते हैं तथा खेत में निमेटोड के प्रभाव को नियंत्रित करने में भी मदद कर सकते हैं। इस प्रकार किसान एक ही खेत में अलग-अलग फसलों के माध्यम से खेती की उपयोगिता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

विभागीय मार्गदर्शन से आधुनिक खेती की ओर बढ़ते कदम

उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में किसान श्री विशाल पाटीदार ने मिर्ची की खेती में आधुनिक तकनीकों और अंतरवर्तीय फसल पद्धति को अपनाया है। उनका यह प्रयास अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक है कि वे पारंपरिक खेती के साथ वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन और आय बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

किसान श्री विशाल पाटीदार ने अन्य किसान भाइयों से अपील की है कि वे उद्यानिकी विभाग से जुड़ें, विभागीय मार्गदर्शन प्राप्त करें और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी खेती को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास करें।

'खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा उन्हेल एवं नागदा में मावा विक्रेताओं पर कार्यवाही'

त्यौहार को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी



उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा अमानक/मिलावटी खाद्य सामग्री निर्माण/विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा त्यौहार को ध्यान में रखते हुए मावा, घी, मिठाई, तेल आदि खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी की जा रही है। विभाग की टीम द्वारा मावा व घी निर्माण स्थलों व विक्रेताओं की जांच की जा रही है। टीम द्वारा मावा एवं घी आदि में नमूना कार्यवाही के पूर्व खाद्य पदार्थों में स्टार्च, शर्करा, वनस्पति आदि की मिलावट पहचाने के लिये प्रारम्भिक परीक्षण किया जा रहा है। प्रारम्भिक परीक्षण में यदि मावा, घी आदि में किसी प्रकार की मिलावट की आशंका होने पर मावा, घी आदि के स्टॉक को जप्त कर विक्रय रोका जा सकता है।

उन्होंने बताया कि टीम द्वारा आज उन्हेल एवं नागदा में मावा निर्माताओं व विक्रेताओं की जांच की गई, जहाँ पर प्राथमिक परीक्षण ब्लूह्लूस्नश्लह्लद्बठ्ठ टेस्ट आदि नेगेटिव पाये गये।

विभाग द्वारा मानक स्तरों की जांच हेतु मावा व दूध के राठौर दूध केन्द्र (मावा निर्माण यूनिट) ग्राम ढाबला फंटा से 02 मावा एवं 02 मिश्रित दूध का नमूना, उषा कुटीर (मावा निर्माण यूनिट) ग्राम सोडंग तहसील घट्टिया से मावा के 02 नमूनें, ओसवाल ट्रेडर्स(मावा निर्माण यूनिट), ग्राम बालोदा फंटा से मावा एवं मिश्रित दूध का नमूना

उपरोक्त सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने पर विधिवत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग आमजन से अपील करता है कि वे केवल वैध लाइसेंस/पंजीयन वाले प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री क्रय करें तथा किसी भी संदिग्ध मिलावट या अमानक सामग्री की शिकायत संबंधित विभाग को तुरंत करें।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में एनकार्ड समिति की बैठक आयोजित



उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में एनकार्ड (नार्को कार्डिनेशन समिति) की बैठक का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि नार्कोटिक एवं अन्य मादक दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय के तारतम्य में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकार्ड समिति का गठन किया गया है।

बैठक में समिति के सदस्य सचिव ने जानकारी दी कि मादक पदार्थ तस्करी संबधी सूचनाओं/शिकायतों के लिए आम जनता के माध्यम से सूचना संकलन करने के लिए मानस हेल्पलाईन 1933 के पोस्टर/पेम्पलेट सभी कार्यालयों/थानों पर लगाए गए है।

मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित सूचनाओं और शिकायत दर्ज करने के लिए मानस-नेशनल नार्कोटिक्स हेल्पलाईन नंबर 1933 पर संपर्क किया जा सकता है।

सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि उज्जैन पुलिस द्वारा वर्ष 2026 में अभी तक PIT NDPS ACT के तहत 12 आरोपियों के विरूद्ध कारवाही की गई। उज्जैन में 06 सजायाब अपराधियों के विरुद्ध वित्तिय अनुसंधान कर सफेमा की कार्यवाही के लिए चिन्हित किया गया, कार्यवाही जारी है।पुलिस द्वारा अभी तक 15 ग्राम स्मेक, 83.29 ग्राम एमडी ड्रग्स जप्त किए गए है। जिनकी कुल कीमत लगभग 3 लाख 50 हजार 960 रूपए है।

जिले में एनडीपीएस एक्ट के कुल 217 आरोपियों के डोजीयर फार्म भरे गए, 09 आरोपियों के विरुद्ध गुड़ा फाइन और एक आरोपी की निगरानी फाइल खोली गई है।

प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में 15 दिवसीय राज्य स्तरीय एन्टी नारकोटिक्स विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें जिला उज्जैन द्वारा निम्न बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है

1. अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध NDPS ACT अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही ड्रग अभियान के दौरान जिला उज्जैन के विभिन्न थानों पर कार्यवाही कर 04 प्रकरण दर्ज कर 04 आरोपीयों को गिरफ्तार कर 43.29 ग्राम एमडी ड्रग एवं 15 ग्राम स्मैक जब्त किया गया।

2. NDPS ACT के आदतन आरोपीयों के विरुद्ध पिट एनडीपीएस एक्ट 1988 की कार्यवाही की जा रही है।

3. NDPS ACT के वाणिज्यिक मात्रा के प्रकरणों के आरोपी चिन्हित कर वित्तीय अनुसंधान की कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर श्री सिंह ने इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती नेहा जैन, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, एडीएम श्री अत्येन्द्र सिंह गुर्जर एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

ग्रामीण अंचल की बेटी ने रचा इतिहास



उज्जैन । नगर के शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय ने एक बार फिर राष्ट्रीय फलक पर अपनी अनूठी पहचान बनाई है। विद्यालय की मेधावी छात्रा सुहाना भाटी ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के बल पर एक ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिस पर विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे नगर को गर्व है। कक्षा 10वीं में अध्ययनरत सुहाना का चयन शालेय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत राष्ट्रीय रग्बी टीम (जूनियर बालिका वर्ग) में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। सुहाना के उत्कृष्ट खेल कौशल, मैदान पर शानदार रणनीति और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें मध्य प्रदेश रग्बी टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

साधन-संसाधनों की सीमाओं को दरकिनार कर ग्रामीण परिवेश से ताल्लुक रखने वाली सुहाना भाटी ने यह साबित कर दिया है कि यदि हौसले बुलंद हों, तो हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य दिग्विजय सिंह चौहान के कुशल मार्गदर्शन, प्रेरणा और सकारात्मक नेतृत्व में सुहाना ने अपनी खेल प्रतिभा को निखारा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। विद्यालय परिवार और खेल शिक्षकों का निरंतर सहयोग उनकी इस सफलता के पीछे एक मजबूत स्तंभ रहा है।

विद्यालय के प्राचार्य दिग्विजय सिंह चौहान ने बताया कि सुहाना विद्यालय की एक होनहार छात्रा हैं। वह रग्बी के साथ-साथ कबड्डी एवं कुश्ती की भी श्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, ÷कठिन परिश्रम, अनुशासन और कभी न हार मानने वाला जज्बा ही सफलता की असली कुंजी है। सुहाना ने ग्रामीण बालिकाओं के लिए यह दिखा दिया है कि सपने देखने और उन्हें पूरा करने की कोई सीमा नहीं होती।÷ विद्यालय की खेल शिक्षिका नेहा जाट एवं खेल शिक्षक नितिन चिंतामण के मार्गदर्शन में सुहाना निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

संभागायुक्त ने सिंहस्थ निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की



उज्जैन। निर्माण एजेंसी के सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्री मौके पर तैनात रहें और निरंतर निरीक्षण करते हुए कार्यों पर नजर रखें। सिंहस्थ के लिए पदस्थ किए गए इंजीनियरों को संबंधित जिलों से तुरंत रिलीव करवाने एवं जॉइनिंग करने का कार्य अपर मेला अधिकारी को सौंपा गया है। संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने आज सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा की और दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती नेहा जैन, अपर आयुक्त नगर निगम संतोष टैगोर, अपर मेला अधिकारी ओमप्रकाश सनोडिया सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देंगे इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र

सिंहस्थ निर्माण कार्यों की प्रगति की रिपोर्टिंग के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों की एक टीम बनाई गई है। प्रत्येक साइट पर 4-4 छात्र निरंतर जाएंगे व कार्य की प्रगति देखेंगे कि प्रतिदिन कितना काम हुआ है। यह टीम सीधे सिंहस्थ कार्यालय को रिपोर्ट करेगी। निर्माण कार्य में लगे इंजीनियर यदि साइट पर नहीं जाएंगे, तो इसकी सूचना भी सिंहस्थ कार्यालय को सीधे मिला करेगी।

31 दिसंबर से पहले सिंहस्थ के 60 से अधिक कार्य पूर्ण हो जाएंगे

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा जानकारी दी गई कि 31 दिसंबर तक उनके 60 से अधिक कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

कार्यों की विभागवार जानकारी

पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा किए जाने वाले कार्य 128 कांस्टेबल क्वार्टर चिमनगंज थाना लागत 49.7 करोड़, 16 जीओ क्वार्टर पीटीएस परिसर 99.4 करोड़, 32वीं बटालियन एसएएफ में 160 क्वार्टर 69.23 करोड़, डीआरपी लाइन में 192 एनजीओ क्वार्टर 60.9 करोड़, 32 एनजीओ क्वार्टर चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र में 56.07 करोड़, भैरवगढ़ में 320 क्वार्टर 52.3 करोड़, 350 बेड की मेल बैरक पीटीएस परिसर में 81.13 करोड़, 64 कांस्टेबल क्वार्टर उन्हेल थाना परिसर में 44.87 करोड़, भैरवगढ़ थाना परिसर में 64 क्वार्टर 20.95 करोड़, एसएएफ में 96 क्वार्टर 82.58 करोड़, होमगार्ड लाइन पर एसडीईआरएफ विकसित करना 35.75 करोड़, तपोभूमि में नवीन थाना परिसर 97.41 करोड़, महाकाल लोक में नया थाना 100 करोड़, एसएएफ मेस परिसर में पुलिस क्वार्टर 17.1 करोड़।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के कार्य

सुविधा केंद्र एवं 7 हाईमास्ट परियोजना – सुविधा केंद्र 5 (सोडंग उपपड़ाव), ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा। लागत 84.8 करोड़। सुविधा केंद्र 1 (श्री पिंगलेश्वर महादेव मंदिर), ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा। लागत 95.1 करोड़। सुविधा केंद्र 2 (श्री कायावरोहेश्वर महादेव मंदिर), ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा लागत 70.67 करोड़। सुविधा केंद्र 3 (नलवा उपपड़ाव), ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा लागत 86.73 करोड़। सुविधा केंद्र 4 (श्री बिलकेश्वर महादेव मंदिर), ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा लागत 77.25 करोड़। सुविधा केंद्र 6 (श्री दुर्दुरेश्वर महादेव मंदिर), ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा लागत मूल्य- 94.69 करोड़। पंचक्रोशी यात्रा मार्ग के पड़ाव एवं उपपड़ाव पर 7 हाईमास्ट तथा परिसर प्रकाश व्यवस्था कार्य, ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवाएँ द्वारा लागत 100 करोड़।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य

33/11 केवी के सब-स्टेशन लागत 90 करोड़, 33/11 केवी के सब-स्टेशन लागत 100 करोड़, 33/11 केवी सब-स्टेशन लागत 40 करोड़, 33/11 केवी के सब-स्टेशन लागत 100 करोड़, 33/11 केवी के सब-स्टेशन लागत 90 करोड़ आदि कार्य पूर्ण होंगे।

जीर्णोद्धार एवं अस्पताल परियोजनाएँ

वीर दुर्गादास की छतरी, उज्जैन में संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य पर्यटन विकास निगम द्वारा। भैरवगढ़ औषधालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत 6-शय्या अस्पताल की स्थापना की कुल लागत 100 करोड़ रुपए।

सड़क, पुल एवं अन्य परियोजनाएँ लोक निर्माण एवं सेतु निगम

बड़ापुल रणजीत हनुमान मोजामखेड़ी तथा काल भैरव से मोजामखेड़ी तक चार-लेन सड़क निर्माण की लागत 89.61 करोड़ रुपये है। सदावल में चार हेलीपैड का निर्माण लोक निर्माण विभाग बी एंड आर, उज्जैन द्वारा किया जाएगा। इसकी लागत 99.89 करोड़ रुपये है। उज्जैन-नागदा रेलखंड के किमी 48/9-10 पर एलसी संख्या 23 के स्थान पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पुल), उज्जैन द्वारा किया जाएगा। इसकी लागत 100 करोड़ रुपये है। इंदौर-उज्जैन रेलखंड (विक्रम नगर-करछा) पर एलसी संख्या 7/19-21 पर आरओबी का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पुल) द्वारा किया जाएगा। इसकी लागत 86.73 करोड़ रुपये है। काल भैरव मंदिर से गढ़कालिका मंदिर तक सड़क निर्माण तथा ओखलेश्वर के मौजूदा पुल के समानांतर क्षिप्रा नदी पर पुल का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पुल), उज्जैन द्वारा किया जाएगा। इसकी लागत 53.37 करोड़ रुपये है। चिंतामण गणेश रेलवे स्टेशन एप्रोच रोड का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। इसकी लागत 48.49 करोड़ रुपये है। महामृत्युंजय द्वार से नानाखेड़ा चौराहे तक सड़क निर्माण लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ, उज्जैन द्वारा किया जाएगा। इसकी लागत 91.22 करोड़ रुपये है।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शहर के प्रमुख मंदिरों के आस पास अतिक्रमण की स्थिति निर्मित ना हो। इसके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए। मंदिरों के आस पास अतिक्रमण हटाने के लिए और शहर के प्रमुख मार्गों तथा जहां जहां चौड़ीकरण कार्य किया गया है, वहां अतिक्रमाण हटाने के लिए अलग अलग टीम बनाई जाए।

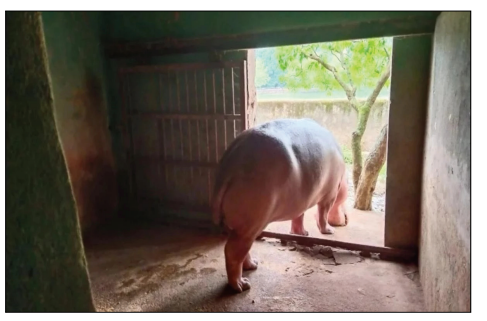


जिन स्थलों से अतिक्रमण हटाया जाना है, उनका चिन्हांकन किया जाए।

बैठक में आरटीओ श्री संतोष मालवीय के द्वारा जानकारी दी गई कि विभाग द्वारा अभी तक 982 स्कूल बसों एवं शैक्षणिक वाहनों का निरीक्षण किया गया है। इनमें 248 स्कूल बसों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई है।

कानपुर से नहाते हुए 700 किमी लंबी यात्रा कर इंदौर आया दरियाई घोड़ा सतीश, बदले में शेरनी बिजली दी है

तीन माह के इंतजार के बाद कानपुर चिड़ियाघर का दरियाई घोड़ा (हिप्पोपोटेमस) सतीश बुधवार रात इंदौर आया। 700 किलोमीटर लंबी यात्रा कर आए सतीश को विशेषज्ञ के दल की निगरानी में लाया गया।



इस दौरान उसके शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए लगातार नहलाया भी गया। इसके लिए विशेष इंतजाम भी किए गए थे। उसके उसके लिए चिड़ियाघर प्रशासन ने विशेष चिड़ियाघर प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि सतीश को एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत लाया गया है। इसके बदले में शेरनी बिजली दी गई है। गुरुवार सुबह डॉक्टरों की टीम द्वारा उसका लेकिन वह उसमें प्रवेश नहीं कर रहा था। वह कानपुर के कमला नेहरू जूलॉजिकल पार्क में जन्मा है। अब वह इंदौर के चिड़ियाघर में दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

वहीं यहां से शेरनी बिजली को कानपुर भेजा गया है, जिसके बदले में दरियाई घोड़ा सतीश इंदौर आया है। स्वास्थ्य जांच के बाद सतीश को बाड़े में छोड़ा जाएगा। कुछ दिनों तक उसके व्यवहार पर नजर रखी जाएगी।

उमरिया जिले के आशुतोष तिवारी बने भाजयुमो के जिलाध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारियों ने दी बधाई

उमरिया। (दीपक द्विवेदी) भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला के जिलाध्यक्ष पद की नई जिम्मेदारी आशुतोष तिवारी को सौंपी गई है। उनके जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।

इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारियों ने आशुतोष तिवारी को नवीन दायित्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। साथ ही उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा संगठन को जिले में नई मजबूती मिलेगी और युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ेगी।

युवा शक्ति सक्रिय हुआ

उमरिया जिला बांधवगढ़ विधानसभा और मानपुर विधानसभा के युवा में नई ऊर्जा के साथ एक नया माहौल युवाओं में देखने को मिल रहा है आशुतोष तिवारी का



नाम सुनकर आसपास के गांव में और क्षेत्र में नाम सुनते ही युवाओं के अंदर एक नया ऐतिहासिक भाजपा संगठन के प्रति नए-नए कार्यकर्ता भाजपा युवा मोर्चा से जुड़ने के लिए तैयार हुए आसपास के क्षेत्र में बताया जा रहा है आशुतोष का नाम सुनते ही लोगों के अंदर एक नई उत्साह यहां तक की जय उत्साह जिला से निकलकर प्रदेश तक सोशल मीडिया में लगातार लिस्ट जारी होने के बाद देखा जाए तो उमरिया जिला के 90ब युवा नई नई उम्मीदों को लेकर एकत्रित होना चाहते हैं

उमरिया जिला की लिस्ट जब जारी हुई जब आशुतोष का नाम निकाल कर आया युवाओं का जोश देखा नहीं जा रहा जो कार्यकर्ता नहीं था भारतीय जनता पार्टी का वह भी इस नाम को लेकर भारतीय जनता पार्टी में आकर काम करना चाहता है यह उम्मीद है बाहर से आए हुए कार्यकर्ताओं को बराबर सम्मान दिया जाएगा और युवाओं को जो जिस काम के लायक रहेगा उसे उसे तरह की जिम्मेदारी दी जाएगी यह आशुतोष तिवारी जी का कहना है

जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र पर सड़क या सुलगता सवाल? ठाकुर बाबा गाड़ाघाट पर रफ्तार का कहरः बेकाबू ब्लैक बोलेरो ने छीनी जिंदगी, एक की हालत नाजुक

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के ठाकुर बाबा गाड़ाघाट पर एक बार फिर रोंगटे खड़े कर देने वाली सड़क दुर्घटना सामने आई है। तेज रफ्तार और लापरवाही के कॉकटेल ने एक परिवार का चिराग बुझा दिया, जबकि दूसरा युवक ज़िंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बेकाबू काले रंग की बोलेरो ने युवकों को ऐसी टक्कर मारी कि चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया, वहीं दूसरे की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इंसानियत शर्मसारः मदद करने के बजाय गाड़ी लेकर फरार

हादसे से भी ज्यादा खौफनाक रहा हादसे के बाद का मंजर। टक्कर मारने के बाद बोलेरो चालक के अंदर की इंसानियत मानो पूरी तरह मर चुकी थी। घायल युवक सड़क पर खून से लथपथ तड़पता रहा, लेकिन



चालक ने गाड़ी रोककर पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाने की जहमत तक नहीं उठाई। चालक मौके से गाड़ी समेत रफूचक्कर हो गया। स्थानीय सूत्रों और दबी जुबान चर्चाओं की मानें तो यह चमचमाती ब्लैक बोलेरो किसी भाईजान की बताई जा रही है। इलाके में चर्चा का बाजार गर्म है कि रसूख के नशे में चूर चालक कानून को अपनी जेब में समझ रहा है।

बड़ा सवालः हिट एंड रन का केस या रसूखदारों को संरक्षण

घटना के बाद से ही स्थानीय जनता में भारी आक्रोश और गुस्सा व्याप्त है। अब सबकी निगाहें जैतपुर पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं। क्षेत्र में चर्चाएं और सवाल तेज हो गए हैं- क्या पुलिस बिना किसी दबाव के हिट एंड रन (Hit and Run) की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज करेगी। या फिर हर बार की तरह कानून को ताक पर रखकर, रसूख की आड़ में %अपनों% को बचाने के लिए खाकी संरक्षण का ढाल बनेगी।

न्याय की आस में जनता

घटना के बाद से ठाकुर बाबा गाड़ाघाट क्षेत्र में तनाव और शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और ग्रामीणों की एक ही मांग है—सीसीटीवी (CCTV) फुटेज खंगाले जाएं, बोलेरो को जब्त किया जाए और दोषी चालक को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजा जाए। अब देखना यह होगा कि कानून का हाथ भाईजान के रसूख से लंबा साबित होता है या फिर यह मामला भी फाइलों के नीचे दबा दिया जाएगा।

जिले के पावर प्लांट के लिए जमीन देने वाले किसान दरी पर, कंपनी के अधिकारी कुर्सियों पर बैठे नजर आए

किसानों के सम्मान और बैठने की व्यवस्था को लेकर उठे सवाल, तस्वीर ने खींचा ध्यान

अनूपपुर। (अविरल गौतम) जिले के जमुना कोतमा जिले मे न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट 800म2 ताप विद्युत परियोजना रक्सा कोलमी मे पावर प्लांट स्थापित करने के लिए अपनी जमीन देने वाले किसानों की एक तस्वीर सामने आई है, जिसने किसानों के सम्मान और कंपनी के अधिकारियों के व्यवहार को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। तस्वीर में किसान जमीन पर बिछी दरी पर बैठे दिखाई दे रहे हैं, जबकि कंपनी के अधिकारी कुर्सियों पर बैठकर किसानों की बात सुनते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इन किसानों ने न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट 800म2 ताप विद्युत परियोजना रक्सा कोलमी मे पावर प्लांट स्थापित करने के लिए अपनी भूमि दी है। ऐसे में किसानों और कंपनी के अधिकारियों के बीच हुई बैठक की यह तस्वीर चर्चा का विषय बन गई है।



किसानों के सम्मान पर सवाल -

किसान अपनी जमीन देकर औद्योगिक परियोजना के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ऐसे में उनसे जुड़ी बैठकों में सम्मानजनक व्यवहार और उचित व्यवस्थाओं की अपेक्षा की जाती है। तस्वीर में दिखाई दे रही बैठने की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहा है कि जब कंपनी के अधिकारी कुर्सियों पर बैठे थे, तो किसानों के लिए भी वैसी ही व्यवस्था क्यों नहीं की गई।

हालांकि, बैठक किन परिस्थितियों में आयोजित की गई और किसानों के लिए कुर्सियों की व्यवस्था क्यों नहीं थी, इसकी आधिकारिक जानकारी नही मिली है अब सवाल यह है कि किसानों की जमीन पर उद्योग लगाने वाली कंपनी किसानों की समस्याओं को सुनने के साथ-साथ उनके सम्मान और स्वाभिमान का कितना ध्यान रखती है।

अगले अंक में पढ़ें जमीन चले जाने के बाद किसानों की स्थिति।

जिले के मानपुर के भदार नदी में बाबा महाकाल रेत कंपनी का 'भौकाल', नियम-कायदों का बंटाधार !कहीं नदी की धार कट रही, कहीं 25 फीट के गड्ढे खुद रहे; ग्रामीणों का हल्लाबोल, खनिज विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

उमरिया। (दीपक द्विवेदी) जिले के मानपुर के भदार नदी में रेत का कारोबार चल रहा है या मशीनों के दम पर मनमानी का दरबार सज रहा है? यह सवाल सलैया रेत घाट पर उठने लगा है। बड़ी-बड़ी जेसीबी और पोकलेन मशीनें, नदी की बहती धार को काटकर रास्ता बनाने के आरोप और 20 से 25 फीट तक गहरे गड्ढे! ग्रामीणों की मानें तो घाट पर न सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं और न ही उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि आखिर रेत निकालने की इस दौड़ में नियम-कानून किस कोने में पड़े हैं।

मशीनें गरज रही हैं, नदी कराह रही है

मानपुर तहसील के अमरपुर चौकी के समीप स्थित भदार नदी के सलैया रेत घाट को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि रेत निकालने के लिए नदी की बहती धार को काटा जा रहा है। कुड़ी गांव के समीप पहाड़ी क्षेत्र से मुरुम की खुदाई कर रास्ता बनाए जाने की बात भी सामने आई है। ग्रामीणों के मुताबिक, भारी मशीनों से नदी क्षेत्र में गहरे गड्ढे खोद दिए गए हैं, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। घाट पर सुरक्षा संबंधी सूचना बोर्ड और



अन्य जरूरी इंतजामों की कमी भी बताई जा रही है। सवाल यह है कि रेत निकालने के लिए मशीनों को रास्ता मिल गया, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को रास्ता कब मिलेगा नदी की प्राकृतिक धारा में बदलाव और अनियंत्रित खुदाई जलीय जीवों तथा पर्यावरण के लिए भी चिंता का विषय हो सकती है। इसलिए मामले की तकनीकी जांच और मौके का निरीक्षण जरूरी है।

रेत का घाट या ग्रामीणों की मुसीबत का ठिकाना

ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा महाकाल रेत ठेका कंपनी के संचालन और ठेकेदार चैन सिंह शेखावत की कथित मनमानी के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि गहरे गड्ढों और रास्ते की स्थिति के कारण लोगों के लिए आवागमन करना मुश्किल हो रहा है। इन्हीं समस्याओं को लेकर सलैया के करीब 10 से 15 ग्रामीण रेत घाट पहुंचे और खनिज विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। ग्रामीणों का विरोध केवल रास्ते की परेशानी तक सीमित नहीं है। वे यह भी जानना चाहते हैं कि उत्खनन निर्धारित नियमों के अनुसार हो रहा है या नहीं, नदी क्षेत्र में मशीनों के इस्तेमाल की अनुमति किन शर्तों पर दी गई है और सुरक्षा के इंतजामों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

खनिज अधिकारी तक पहुंची शिकायत, फिर भी सवाल बरकरार!

समाजसेवी अभय द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने खनिज अधिकारी विद्याकांत तिवारी को मामले की जानकारी दी थी। उनके अनुसार, अधिकारी ने बीमारी का हवाला देते हुए मौके पर आने में असमर्थता जताई।

हालांकि, अधिकारी का पक्ष सामने आना बाकी है। ऐसे में प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और घाट पर नियमों के पालन की निगरानी कौन कर रहा है। नियमों की किताब में सब ठीक, तो जमीन पर जवाब कौन देगा रेत उत्खनन के मामले में केवल मशीनों की संख्या या रेत की निकासी ही महत्वपूर्ण नहीं है। नदी की धारा, पर्यावरण, सुरक्षित आवागमन और निर्धारित शर्तों का पालन भी उतना ही जरूरी है। यदि ग्रामीणों के जिला प्रशासन और खनिज विभाग को सलैया घाट का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि नदी क्षेत्र में खुदाई की अनुमति, उत्खनन की सीमा और सुरक्षा संबंधी शर्तों का पालन हो रहा है या नहीं।

अब जवाब चाहिए, सिर्फ आश्वासन नहीं

सलैया घाट पर ग्रामीणों ने अपनी आवाज उठा दी है। अब निगाहें प्रशासन पर हैं।

क्या मौके का निरीक्षण होगा। क्या नदी की धारा और गहरे गड्ढों की स्थिति की जांच होगी क्या ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी क्योंकि नदी किसी कंपनी की जागीर नहीं और सुरक्षा कोई एहसान नहीं। रेत का कारोबार नियमों से चलना चाहिए, न कि ऐसे हालात में जहां ग्रामीण सवाल पूछते रह जाएं और मशीनों की गर्जना में उनके सवाल दबते रहें।

फिलहाल सलैया घाट से उठी आवाज का सार यही है—रेत निकालिए, लेकिन नियमों की कीमत पर नहीं; कारोबार कीजिए, लेकिन लोगों की सुरक्षा को दांव पर लगाकर नहीं।

जिले के जयसिंहनगर नगर परिषद में नियमों की बलि,सीएमओ बदलते ही बदला निष्पक्षता का चश्मा अवैध व्यावसायिक निर्माण पर उठे गंभीर सवाल

बिना अनुज्ञा खड़े हो रहे बहुमंजिला ढांचे,नोटिस की कागजी खानापूर्ति के बीच राजस्व निरीक्षक की चुप्पी ने बढ़ाई साख पर आंच

शहडोल। (अविरल गौतम) जयसिंहनगर नगर परिषद के प्रशासनिक गलियारों और स्थानीय निकायों में नियम-कायदे क्या केवल आम जनता को परेशान करने के लिए बनाए गए हैं या फिर कुर्सी पर बैठे आला अफसरों की मर्जी के हिसाब से कानून की परिभाषाएं बदल जाती हैं? शहडोल जिले की नगर परिषद जयसिंहनगर से सामने आया ताजा मामला तो कम से कम इसी ओर इशारा कर रहा है। यहाँ वार्ड क्रमांक 01 में लगभग 15म30 फीट की बेशकीमती भूमि पर बिना किसी वैध भवन अनुज्ञा (Building Permission) के प्रथम तल का धड़ल्ले से व्यावसायिक निर्माण करा लिया गया। हद तो तब हो गई जब मामला उजागर होने पर नगर परिषद प्रशासन ने मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धाराओं का हवाला देते हुए नोटिस थमाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। नोटिस में निर्माण को दंडनीय अपराध बताते हुए ऑनलाइन अनुज्ञा लेने के निर्देश तो जारी किए गए, लेकिन धरातल पर काम रुकवाने या अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का साहस निकाय के जिम्मेदार अधिकारी नहीं जुटा सके। स्थानीय गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि जैसे ही मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) का तबादला या बदलाव होता है, वैसे ही निर्माण कार्यों की %वैधता% और %अवैधता% का पैमाना भी रातों-रात बदल जाता है। पूर्व के अधिकारियों



के कार्यकाल में जिन अनियमितताओं पर पर्दा पड़ा रहा, क्या नए प्रशासनिक फेरबदल के बाद उन पर निष्पक्ष जांच का चाबुक चलेगा या फिर यह पूरी कसरत केवल सौदेबाजी और कागजी औपचारिकताओं तक सीमित रह जाएगी? इस पूरे घटनाक्रम ने मध्य प्रदेश शासन की जीरो टॉलरेंस नीति और सुशासन के दावों की हवा निकाल कर रख दी है। एक तरफ राज्य की मोहन यादव सरकार यह ढोल पीटती है कि आम नागरिकों को भवन निर्माण अनुमति, नामांतरण और नक्शा पास कराने के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी व ऑनलाइन बनाया जाए, वहीं दूसरी तरफ जयसिंहनगर नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी सरकार की मंशा पर पानी फेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। सवाल यह उठता है कि एक आम गरीब या मध्यमवर्गीय नागरिक जब अपने आशियाने के लिए एक ईंट भी रखता है, तो निकाय का अमला अमले-जुमले के साथ बुलडोजर का डर दिखाने पहुंच जाता है, लेकिन उसी निकाय की नाक के नीचे 15म30 फीट के व्यावसायिक निर्माण पर पूरी प्रशासनिक मशीनरी आंखें मूंदकर क्यों बैठी रही? क्या सरकारी नियमों की सख्ती केवल लाचार नागरिकों की जेब ढीली कराने का जरिया बनकर रह गई है जब इस संवेदनशील और गंभीर मामले पर ग्राउंड जीरो का सच जानने के लिए नगर परिषद में पदस्थ राजस्व निरीक्षक सुनीता बैगा से दूरभाष के माध्यम से संपर्क साधने का प्रयास किया गया, तो मैडम ने फोन कॉल रिसीव करना तक मुनासिब नहीं समझा। जिम्मेदार अधिकारियों का जनता और मीडिया के सवालों से इस तरह भागना और रहस्यमयी चुप्पी साधना अपने आप में कई गहरे संदेहों और अंदरूनी सांठगांठ को जन्म दे रहा है। अखबार की इस विशेष पड़ताल के बाद अब सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन, संभागायुक्त और नगरीय प्रशासन विभाग के समक्ष खड़ा है। क्या जयसिंहनगर नगर परिषद की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाएगी क्या नोटिसों के खेल से इतर इस अवैध व्यावसायिक निर्माण पर नगर पालिका अधिनियम के तहत कड़ी वास्तविक कार्रवाई होगी या फिर हमेशा की तरह फाइलें ठंडे बस्ते में दबा दी जाएंगी अगर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के बदलते ही नियम और नीतियां बदलने का यह खतरनाक खेल यूं ही चलता रहा, तो निकाय व्यवस्था से आम जनता का विश्वास पूरी तरह उठ जाएगा। जनता अब कागजी नोटिसों का ड्रामा नहीं, बल्कि धरातल पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई देखना चाहती है ताकि यह साबित हो सके कि मध्य प्रदेश में कानून का राज किसी अधिकारी या रसूखदार के इशारे पर नहीं, बल्कि संविधान और तय नियमों के हिसाब से चलता है।

जिले के सोहागपुर ब्यौहारी जनपद पंचायत में लोक सेवा गारण्टी समय सीमा में सेवाएं नहीं देने वाले पंचायत सचिवो पर 500 रूपए प्रतिकेश पैनाल्टी लगाने के निर्देश- कलेक्टर



शहडोल। (दीपक द्विवेदी) कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के तहत समय- सीमा में विभिन्न विभागों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं हितग्राही को नहीं मिलने पर संबंधित पंचायत सचिवों पर 500 रूपए प्रतिकेश पैनाल्टी लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जन विश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त होने वाली शिकायतों तथा सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों का निराकरण 80 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मिनिषा पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, एंटोनिया एक्का, अंकित ऊके सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, घर की बाड़ी से 70 नग खैर की लकड़ियां जब्त

पेट्रोल चालित चैन सॉ मशीन, दो कुल्हाड़ी और इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी जब्त, वन अपराध प्रकरण दर्ज

शहडोल। (अविरल गौतम) वन विभाग द्वारा अवैध रूप से खैर प्रजाति की लकड़ियों के भंडारण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेन्द्र प्रताप सिंह (भा.व.से.) के निर्देशन तथा वनमंडलाधिकारी दक्षिण शहडोल श्रद्धा पन्द्रे (भा.व.से.) एवं उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर संतोष कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में 29 अक्टूबर 2026 को यह कार्रवाई की गई। उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर निर्देशानुसार ग्राम गोरतरा निवासी जय विश्वकर्मा पिता बग्घू विश्वकर्मा के घर एवं बाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जय विश्वकर्मा के घर के पीछे स्थित बाड़ी में खैर प्रजाति की लकड़ियों का भंडारण पाया गया। मौके पर प्राप्त लकड़ियों



की माप करने पर अलग-अलग आकार के कुल 70 नग खैर की लकड़ियां पाई गईं, जिनकी कुल मात्रा 05 घन मीटर बताई गई है। वन विभाग की टीम ने मौके से 01 पेट्रोल चालित चैन सॉ मशीन, 02 कुल्हाड़ी एवं 01 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी जब्त किया। वन विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 33/02, दिनांक 29 अक्टूबर 2026 पंजीबद्ध किया गया।

जब्त की गई समस्त सामग्री को काष्ठागार नरसरहा डिपो, शहडोल लाया गया। उक्त कार्रवाई में वन परिक्षेत्राधिकारी शहडोल विनायक कुमार गौतम, परिक्षेत्र सहायक शहडोल सहित सुरक्षा श्रमिकों एवं अन्य कर्मचारियों की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

जिले के ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल एवं कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने बालिका छात्रावास और विद्यालय का किया निरीक्षण

लापरवाही पाए जाने पर प्रभारी प्राचार्य को हटाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के ब्यौहारी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विधायक शरद जुगलाल कोल एवं कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बनसुकली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय के कंप्यूटर कक्ष, कक्षाओं एवं शौचालय का निरीक्षण किया। विद्यालय के संचालन एवं व्यवस्थाओं में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी प्राचार्य को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय का संचालन बेहतर ढंग से किया जाए तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध



कराई जाएं। इसके लिए विद्यालय की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।

इस दौरान बालिकाओं ने बताया कि हाल ही में विद्यालय में शौचालय का निर्माण कराया गया है, जबकि पहले शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने पर कड़ी फटकार लगाई तथा छात्राओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, संबंधित एसडीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई, 34 नमूने जांच के लिए भेजे

धार। आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता व शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण ओर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देशानुसार आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश के आदेश पर दूध डेयरी मिठाई निर्माता रेस्टोरेंट व नमकीन निर्माताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभिहित अधिकारी डॉ.अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम गोपाल मऊटा और सुभाष खेड़कर ने तीन दिन लगातार कार्यवाही की है। खाद्य सुरक्षा दल ने तहसील बदनावर में श्री राम रेस्टोरेंट नागदा से बर्फी गणेश रेस्टोरेंट नागदा।

संपादकीय

एनएचआरसी क़ा महिला कैदियों और मासूम बच्चों के लिए 10 मोर्चों पर सुधार का शंखनाद!



वैश्विक स्तरपर भारत में नारी को शक्ति, ममता, त्याग और सृजन का प्रतीक माना जाता है। आधुनिक भारत की आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, प्रशासन विज्ञान,शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत हुई है।लेकिन एक सवाल आज भी हमारी व्यवस्था के सामने खड़ा है,जब कोई महिला जेल की सलाखों के पीछे पहुंच जाती है,तो क़्या उसके साथ उसकी मानवीयगरिमा,स्वास्थ्य,मातृत्व और सम्मान के अधिकार भी कैद हो जाते हैं? क़्या किसी अपराध के लिए कानून के अनुसार दंड भुगतने का अर्थ यह है कि महिला को स्वच्छ शौचालय,मासिक धर्म के दौरान आवश्यक सुविधाओं पर्याप्त भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य जैसी बुनियादी जरूरतों से भी वंचित रहना पड़े? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इन्हीं गंभीर सवालों के बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 28 अक्टूबर 2026 को महिला कैदियों और उनके बच्चों के मानवाधिकारों के संरक्षण पर जारी अपनी महत्त्वपूर्ण परामर्श संबंधी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से देश की जेल व्यवस्था के सामने सुधार का व्यापक एजेंडा रखा है।आयोग ने नौ केंद्रीय मंत्रालयों तथा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संबंधित शीर्ष अधिकारियों से सिफारिशों पर कार्रवाई करने और दो महीने के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।यह पहल केवल जेलोंकी भौतिक परिस्थितियों का प्रश्न नहीं,बल्कि न्याय, संवैधानिक गरिमा, महिला सशक्तीकरण और बाल अधिकारों की सटिकता से कसौटी भी है।

साथियों बात अगर हमक्या सजा के साथ मानवीय गरिमा भी छिन जानी चाहिए?इसको समझने की करें तो जेल का उद्देश्य कानून के अनुसार दंड देना,समाज की सुरक्षा करना और जहां संभव हो, व्यक्ति को सुधार तथा पुनर्वास का अवसर देना है। लेकिन यदि किसी महिला को अस्वच्छ शौचालय,पर्याप्त पानी की कमी,मासिक धर्म के दौरान जरूरी स्वच्छता सामग्री का अभाव,पौष्टिक भोजन की कमी या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के अभाव का सामना करना पड़े,तो यह व्यवस्था की गंभीर परीक्षा है। महिला कैदियों की आवश्यकताएं पुरुष कैदियों से कुछ मामलों में अलग होती हैं। गर्भावस्था,प्रसव, स्तनपान मासिक धर्म,प्रजनन स्वास्थ्य और बच्चों की देखभाल के लिए विशेष प्रबंध जरूरी हैं।इन जरूरतों की उपेक्षा केवल असुविधा नहीं,बल्कि स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा से जुड़े अधिकारों को प्रभावित कर सकती है।महिला कैदियों के सामने एक और गंभीर चुनौती सामाजिक कलंक है। जेल से रिहाई के बाद कई महिलाओं को रोजगार,परिवार में स्वीकार्यता, सामाजिक संबंधों और आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सुधार की दृष्टि केवल जेल के दरवाजे तक सीमित नहीं रह सकती; उसे रिहाई के बाद के जीवन तक पहुंचना होगा।

साथियों बात अगर हम एनएचआरसी की पहल की पृष्ठभूमि- पहले भी उठ चुका है सवाल किसको समझने की करें तो,इस विषय में एक महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि आयोग ने महिला कैदियों की कठिनाइयों को पहली बार नहीं उठाया है। एनएचआरसी की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 8 अप्रैल 2025 को आयोग ने देश की विभिन्न जेलों में कैदियों, विशेषकर महिला कैदियों और उनके बच्चों की कठिनाइयों पर स्वतः संज्ञान लिया था। उस समय जेलों में क्षमता से अधिक भीड़, बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, अपर्याप्त शौचालय, सैनिटरी नैपकिन तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जुड़ी समस्याएं सामने रखी गईथीं।गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण बच्चों की शिक्षा के अवसरों की कमी तथा कानूनी सहायता,कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वासकार्यक्रमों के क्रियान्वयन को लेकर भी चिंता जताई गई थी।आयोग ने तब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से संबंधित आंकड़ों सहित चार सप्ताह में रिपोर्ट मांगी थी।इस पृष्ठभूमि में 28 अक्टूबर 2026 का परामर्श एक व्यापक नीतिगत कदम के रूप में महत्त्वपूर्ण है।हालांकि, तथ्यात्मक स्पष्टता जरूरी है- 28 अक्टूबर 2026 की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में नए परामर्श की घोषणा की गई है;इसे उसी दिन महिला कैदियों के मुद्दे पर पहलीबार स्वतः संज्ञान लेने वाला सटीकता से आदेश कहना सही नहीं होगा।

साथियों बात अगर हम आदेश या परामर्श?तारीख, क्रमांक और आधिकारिक स्थिति को समझने की करें तो इस विषय पर रिपोर्टिंग करते समय एक महत्त्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है।एनएचआरसी की आधिकारिक वेबसाइट के अदर एडवाइजरीज अनुभाग में एडवाइजरी ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ़ ह्यूमन राइट्स ऑफ़ फीमेल इनमेंट्स एंड देयर चिल्ड्रन को क्रम संख्या 1 पर सूचीबद्ध किया गया है, जिसकी तारीख 23 अक्टूबर 2026 दर्ज है।वहीं,आयोग की इसे जारी किए जाने की प्रेस विज्ञप्ति 28 अक्टूबर 2026 की है। इस प्रकार परामर्श की सूचीबद्ध तारीख और प्रेस विज्ञप्ति की तारीख अलग- अलग हैं। उपलब्ध आधिकारिक विवरण में इस परामर्श के लिए कोई अलग न्यायालयीन वाद संख्या अथवा आदेश क्रमांक प्रदर्शित नहीं होता। इसलिए इसे किसी न्यायालय के बाध्यकारी फैसले के रूप में नहीं, बल्कि एनएचआरसी की सुधार संबंधी सिफारिशों वाले आधिकारिक परामर्श के रूप में सटीकता से प्रस्तुत करना उचित होगा।

आत्मविश्वास सफलताओं की सीढ़ी है



पृथ्वीलोक पर सृष्टि में सबसे बुद्धिमान जीव मानव की जब से उत्पत्ति या संरचना हुई है, रचनाकर्ता ने गुण अवगुण का पिटारा भी साथ में सृष्टि पर संलग्न कर दिया,इस सृष्टि पर सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव, अपनी बुद्धि कौशलता के आधार पर उस पिटारे में से चुनकर अपने जीवन यात्रा में सलंग्न करें!मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि पिटारे में कई गुणों के रूप में अच्छाई,आत्मविश्वास, परोपकार,नम्रता,दीनता,शांतिप्रियता, मनोबल, उत्साह जैसे हजारों पुष्प और अवगुणों के रूप में अहंकार, दुष्टता, गुस्सा, मैं मैं, धोखा, कुटिलता, क्रोध, द्वेष, दुष्चक्र रूपी हजारों बेशर्म की पत्तियां समाहित है। परंतु यह सब हम जीवों के ऊपर है कि इसमें सेहम कौनसा अल्टरनेटिव चुनकर अपने जीवन में अप्लाई करते हैं।

साथियों बात अगर हम उस पिटारे में मानव द्वारा उठाए गए गुणों रूपी पुष्प, अवगुणों रूपी बेशर्म पत्तियों की करें तो हजारों वर्ष पूर्व आदि-अनादि प्राचीन काल से ही हमें इन दोनों स्वरूपी मानव की चर्चा इतिहास में दर्ज पढ़ने को मिली है, जिसका भारतीय स्तरपर राम-रावण कृष्ण-कंस वैश्विक स्तरपर हिटलर, अनेक तानाशाह सहित अनेक हमारे सामने उदाहरण हैं जो आज तक के युग में भी आधुनिक मानव इसी तर्ज पर भी हैं और आगे भी होते रहेंगे, बस हम इस आर्टिकल द्वारा सीखना है कि उस पिटारे में से हमें पुष्प ही चुनकर लेनाहै न कि बेशर्म की पत्तियां हर उदाहरण में मेरा पक्ष सकारात्मकता की ओर है।

साथियों बात अगर हम आज के विषय आत्मविश्वास और अहंकार की करें तो इन दोनों शब्दों में ही पिटारे के गुण- अवगुण का मूल समाया हुआ है सबसे पहले हम चर्चा आत्मविश्वास की करेंगे कि हर व्यक्ति को यह पुष्प उसके जीवन की सफ़लता के हर पड़ाव पर अत्यंत जरूरी है उसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए आत्मविश्वास उसकी सफ़लता की पहली सीढ़ी है जिसके सहारे वह आगे बढ़ने में सक्षम होगा

साथियों आत्मविश्वास मनुष्य के अंदर ही समाहित होता है। आपको इसे कहीं और अन्य जगह से लाने की जरूरत नहीं है। यह आपके अंदर ही है, बस जरूरत है अपने अंदर की आंतरिक शक्तियों को इकट्?ठा कर अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की, वर्तमान समय में अगर हमें कुछ पाना है, किसी भी क्षेत्र में कुछ करके दिखाना है, जीवन को खुशी से जीना है, तो इन सबके लिए आत्मविश्वास का होना परम आवश्यक है। आत्मविश्वास में वह शक्ति है जिसके माध्यम से हम कुछ भी कर सकते है। आत्मविश्वास से हमारी संकल्प शक्ति बढ़ती है और संकल्प शक्ति से बढ़ती है हमारी आत्मिक शक्ति।

साथियों बात अगर हम आत्मविश्वास के बल पर वैश्विक प्रसिद्ध महामानव द्वारा अपने विज़न की सफलताओं की करें तो, इसी आत्मविश्वास ने कोलंबस को अमेरिका की खोज़ में सहयोग दिया था। नेपोलियन ने इसी शक्ति से ओतप्रोत होकर अपने सेनापति से कहा था कि यदि आल्पस पर्वत हमारा मार्ग रोकता है तो वह नहीं रहेगा और सचमुच उस विशाल पर्वत को काटकर रास्ता बना लिया गया। महात्मा गांधी भी इस आत्मविश्वास के बल पर सत्य और अहिंसा के अस्त्र बनाकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। अंततः वे भारत माता की दासता रूपी बेड़ी को काटने में सफल रहे।

साथियों अब्राहम लिंकन ने अथक प्रयास कर दासों को मालिकों के शिकंजे से मुक्त कराया। उन्होंने अपनी डायरी में लिखा था कि मैंने अपने ईश्वर को वचन दिया है कि दासों की मुक्ति का कार्य अवश्य पूरा करूंगा। इमर्सन का कथन है- संसार के सारे युद्धों में इतने लोग नहीं हारते, जितने कि सिर्फ घबराहट से। इसलिए अपने ऊपर विश्वास रखकर ही आप दुनिया में बड़े से बड़ा काम सहज ही कर सकते हो और अपना जीवन सफल बना सकते हो।

साथियों आत्मविश्वास एक ऐसा मंत्र है, जिसके आगे सारे संकट दूर हो जाते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति वाले के सामने मुसीबतों का पहाड़ भी सपाट मैदान की तरह बन जाते हैं और जिनके पास इसकी कमी होती है वह छोटी-मोटी समस्याओं से भी इतने घबरा जाते हैं कि उससे बचने के उपाय ढूंढ़ते-ढूंढ़ते खुद ही अपने आस पास के लोगों के लिए मुसीबत बन जाते हैं। इतिहास गवाह है कि कई लोगों ने केवल अपने आंतरिक ताकत के बल पर ही साम्राज्य कायम किया, नहीं तो एक सामान्य से मुखिया के घर में पैदा हुआ चंद्रगुप्त मौर्य कभी सम्राट नहीं बनता।

साथियों अगर हम इतिहासको खंगालें तो विश्व के अधिकांश महानतम व्यक्ति चाहे वो गांधी हों या फिर मार्क्स, सभी के जीवन की शुरुआत सधारण तरीके से हुई, कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए उन्होंने अपने जीवन का सफ़र शुरू किया लेकिन आत्मविश्वास की दृढ़ता की वजह से ही कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए वैश्विक मानव की श्रेणी में पहुंचे।

साथियों बात अगर हम अहंकार की करें तो प्राचीन काल से लेकर आज तक के युग में जिसने भी अहंकार किया है या मैं मैं, मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं, मेरे जैसा कोई नहीं रूपी बेशर्म की पत्तियों का चुनाव किया है वह आखिर नष्ट हुआ है, यह अवगुण रूपी पिटारे की पत्तियां मानव को नष्ट कर डालती है,क्योंकि यह अवगुण मानव का शत्रु है जो किसी भी क्षेत्र में अपने आप को सर्वश्रेष्ठ समझकर और अहंकार करते हैं उनका विनाश हुआ है! अहंकार चूर चूर हुआ है,जो हमने रावण, कंस, हिटलर सहित आज के युग में भी अनेक मानव देखे हैं जिनका सब कुछ नष्ट हुआ है क्योंकि अहंकार की खाई रूपी फिसलन पर जिसने भी पैर रखा है वह उस खाई में फिसलता ही गया है, वह न केवल खुदको बल्कि अपने कुल, कुटुंब को भी इस खाई में धकेलकर बहा ले जाता है।

साथियों बात अगर हम पिटारे से पुष्प उठाने के सकारात्मक फायदों की करें तो हम कितने भी सर्वश्रेष्ठ हो परंतु मैं मैं का भाव कभी अपने अंदर नहीं घुसने देना है मानाकि तुम बहुत बड़े टॉप लेवल के अधिकारी, नेता, व्यवसाई, व्यापारी विधि विशेषज्ञ, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, तांत्रिक विशेषज्ञ या किसी भी क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञ हो तो भाव यह होना चाहिए कि आप यह सोचिए कि आप के मुकाबले दुनिया में कोई और तुमसे अच्छा जरूर होगा,और सिर्फ़ मैं तक सीमित होना है नकि केवल मैं ही और मैं मैं को अपने अंदर पनपने देना है,क्योंकि यहीं से अहंकार, घमंड की उत्पत्ति होती है जिससे अपने आप को बचाना है, क्योंकि अहंकार असफलताओं का वह घड़ा है जिसका भरकर फूटना तय है जबकि नम्रता, नींवांपन और शांतिप्रियता सफ़ल जीवन का मूल मंत्र है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,अहंकार सफ़लताओं का वह घड़ा है जिसका भरकर फूटना तय है,नम्रता,नींवांपन, ईमानदारी और शांतिप्रियता सफ़लजीवन के मूल मंत्र है।

सत्य वह दौलत है जिसे पहले खर्च करो- जिंदगी भर आनंद पाओ, झूठ वह कर्ज़ है- क्षणिक सुख पाओ जिंदगी भर चुकाते रहो



भारत अपनी संस्कृति, आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता, परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से यह मानता हूं कि एक झूठ के पीछे सव झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य घुसता चला जाता है।जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों में भी यह दोष समाया रहता है।

साथियों बात अगर हम सच्चाई की साक्षात मूरत राजा हरिश्चंद्र की करें तो,सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियां बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं।हमने अपने बड़े बुजुर्गों से अनेक कई किस्से सुने हैं।हम,आज की जनरेशन करीब-करीब हर सच्चाई वाली बात में इस महान मूरत का नाम ज़रूर जोड़तेहैं।हमारे बड़े बुजुर्गों से हमने कई वाक्य सुने हैं, जैसे सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, सत्य की हार नहीं होती,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं,सत्यमेव जयते।

साथियों बात अगर हम सत्यमेव जयते इसकी करें तो हम अनेक शासकीय,अशासकीय स्थानों पर इसका उल्लेख ज़रूर देखते हैं।यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है।

साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन!साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वाह क्या बात है! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रूपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएगें तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएंगें परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेगें। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांच एजेंसियां नहीं होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं।

साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नहीं होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें,उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती हैउनके शरीर के नसों में झूठ रूपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यहीं इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़ियां चुग गई खेत,अब पछतावे क्या होए??

साथियों बात अगर हम सत्य की गहराई की करें तो,सत्य दो प्रकार का होता है- एक व्यवहारिक सत्य और दूसरा वास्तविक। व्यवहारिक सत्य का अर्थ है जैसा देखा, जैसा सुना और जैसा अनुभव किया, उसको वैसा ही बोलना सत्य कहलाता है।व्यवहारिक सत्य में हो सकता है, जो एक के लिए सत्य है, वो दूसरे के लिए असत्य हो। वैसे तो हर व्यक्ति अपने मुताबिक अपना सत्य बना लेता है। यह व्यवहारिक सत्य, अनुभव, नजरिए और देश, काल के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। इसलिए इसमें मतभेद की संभावना बनी रहती है।ईमानदार और न्यायवादी व्यक्ति ही सत्य का पालन करता है।यह देखा गया है कि जो लोग ईमानदार होते हैं वह सदैव सच बोलते हैं। झूठे बेईमान और मक्कार लोग सदैव असत्य का फायदा लेकर अपना काम बनाते हैं। हम ऐसे लोगों से बचना चाहिए जो अपने फायदे के लिए (झूठ) असत्य बोलते हैं।सत्य का अर्थ है 'सते हितम्' अर्थात् जिसमें हित या कल्याण निहित हो। सत्य भूत, भविष्य एवं वर्तमान तीनों काल में एक सा रहता है तथा इससे यथार्थ का ज्ञान होता है।

साधारण बातचीत में जो सच है, यथार्थ है उसे जानना, समझना, मानना, कहना एवं उसके अनुसार ही व्यवहार करना सत्य है।

किताबें पढ़ें, इनाम पाएं- पंजाब का अनोखा गाँव रण सिंह कलां, जो ज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल बना

आज के डिजिटल युग में, जब बच्चों और युवाओं का काफी समय मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और वीडियो गेम में बीतता है, उस समय पंजाब के मोगा जिले का गाँव रण सिंह कलां एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस गाँव ने यह दिखाने का प्रयास किया है कि यदि लोगों को सही दिशा, प्रोत्साहन और अवसर दिए जाएँ, तो पढ़ने की आदत को फिर से लोकप्रिय बनाया जा सकता है। यहाँ लोगों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी मेहनत और सीखने की लगन को पुरस्कारों के माध्यम से भी प्रोत्साहित किया जाता है।

यह पहल हमें एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है- यदि किताबें पढ़ने की आदत को सामाजिक सम्मान और उचित प्रोत्साहन मिले, तो क्या हमारे गाँवों और शहरों में ज्ञान की एक नई लहर पैदा नहीं हो सकती?

किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्रों में से एक हैं। वे हमें नए विचारों से परिचित कराती हैं, हमारी सोच को व्यापक बनाती हैं और दुनिया को समझने की क्षमता प्रदान करती हैं। एक अच्छी किताब कभी-कभी ऐसे सबक सिखा देती है, जिन्हें सीखने के लिए मनुष्य को वर्षों के अनुभव की आवश्यकता होती है।

लेकिन आज पढ़ने की आदत कई चुनौतियों का सामना कर रही है। बहुत से बच्चे लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बिताते हैं। छोटी-छोटी वीडियो और लगातार आने वाली सूचनाएँ उनका ध्यान बार-बार भटकाती हैं। इसके कारण किसी विषय को धैर्यपूर्वक पढ़ना, समझना और उस पर गहराई से विचार करना कठिन हो सकता है।

ऐसे वातावरण में रण सिंह कलां की पुस्तकालय-केंद्रित पहल एक महत्त्वपूर्ण संदेश देती है। गाँव के पुस्तकालय में लगभग एक हजार किताबें होने की जानकारी यह संकेत देती है कि ज्ञान के स्रोतों को लोगों तक पहुँचाना सामाजिक परिवर्तन की पहली सीढ़ी है।

इस पहल की एक विशेष बात यह है कि पढ़ने को केवल किताबों की संख्या तक सीमित नहीं रखा जाता। वर्ष के अंत में लिखित और मौखिक परीक्षाओं के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया जाता है कि पाठकों ने पढ़ी गई किताबों से क्या सीखा है। अच्छा प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जाता है और पढ़ने वालों को आर्थिक पुरस्कार देकर भी प्रोत्साहित किया जाता है।

यह तरीका एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत को उजागर करता है- पढ़ने का वास्तविक उद्देश्य केवल पन्ने पलटना नहीं, बल्कि ज्ञान प्राप्त करना और उसे जीवन में उपयोग करना है।

जब पाठक को पता होता है कि उसे पढ़ी गई सामग्री के बारे में अपने विचार व्यक्त करने होंगे, तो वह अधिक ध्यान से पढ़ने का प्रयास कर सकता है। लिखित परीक्षा उसकी समझ और स्मरण शक्ति को परखती है, जबकि मौखिक परीक्षा विचार व्यक्त करने तथा आत्मविश्वास के साथ बोलने की क्षमता विकसित करने में मदद कर सकती है।

सब का पानी एक, सब की हवा एक
सब का मालिक एक



साहबजादा अब्दुल रशीद खान
प्रधान सम्पादक सच्चे दिन समूह

बदलते परिवेश में करवा चौथ का महत्व कितना प्रासंगिक?

भारत में करवा चौथ का व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को बड़ी श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना से व्रत रखती हैं। परंपरागत रूप से महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला व्रत करती हैं। रात्रि में चंद्रमा की पूजा-अर्चना करने के बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया जाता है। करवा चौथ को महिलाओं के कठिन व्रतों में गिना जाता है। आज भी अधिकांश महिलाएं पूरे दिन बिना अन्न जल ग्रहण किए अपने घर-परिवार और नौकरी व्यवसाय से जुड़े दायित्वों का निर्वहन प्रसन्नतापूर्वक करती हैं। यही कारण है कि करवा चौथ को प्रेम, समर्पण, त्याग और विश्वास का पर्व माना जाता है। करवा चौथ केवल भारत तक सीमित नहीं है। नेपाल सहित विश्व के अनेक देशों में जहाँ भारतीय हिंदू समुदाय के लोग निवास करते हैं, वहाँ भी यह पर्व उत्साह और परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में इस व्रत का विशेष महत्व है। लोक मान्यताओं और प्रचलित पौराणिक कथाओं में माता पार्वती और भगवान शिव के प्रसंग का उल्लेख मिलता है। महाभारत से जुड़ी मान्यताओं में भी भगवान श्रीकृष्ण के परामर्श पर द्रौपदी द्वारा संकट के समय व्रत करने का प्रसंग बताया जाता है। इन धार्मिक मान्यताओं ने इस पर्व की आस्था और महत्ता को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्तमान आधुनिक परिवेश में जब जीवनशैली, सामाजिक संबंधों और पारिवारिक व्यवस्थाओं में तेजी से बदलाव आ रहा है, तब तीज त्योहारों और व्रतों के स्वरूप में परिवर्तन होना भी स्वाभाविक है। करवा चौथ मनाने के तौर तरीकों में भी समय के साथ बदलाव आया है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पति पत्नी दोनों नौकरी और व्यवसाय में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में महिलाओं से यह अपेक्षा करना कि वे अपनी तमाम जिम्मेदारियों के बीच पूरे दिन निर्जला व्रत रखें, कई परिस्थितियों में कठिन हो सकता है। इसके बावजूद अनेक महिलाएं अपनी व्यस्त दिनचर्या के बीच इस परंपरा का निर्वहन करती हैं। यह अपने जीवनसाथी के प्रति उनके प्रेम, समर्पण और भावनात्मक जुड़ाव का परिचायक है। लेकिन यह भी समझना होगा कि किसी रिश्ते की मजबूती केवल व्रत रखने से नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, विश्वास, सहयोग और संवेदनशीलता से सुनिश्चित होती है। आज के दौर में करवा चौथ की प्रासंगिकता पर विचार करते समय यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य केवल परंपरा निभाना और रस्में पूरी करना रह गया है, अथवा यह पति पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को मजबूत करने का अवसर भी है? बदलते समय के साथ इस पर्व को अधिक समानता पूर्ण और संवेदनशील दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। यदि पत्नी अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना के लिए व्रत रखती है, तो पति का भी यह दायित्व है कि वह पत्नी के स्वास्थ्य, सुख, सम्मान और दीर्घायु के प्रति उतना ही सजग रहे। प्रेम और समर्पण किसी एक पक्ष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि वैवाहिक जीवन की साझा पूंजी हैं।

वर्तमान समय में मानव जीवन तनाव, प्रतिस्पर्धा और मानसिक दबाव से घिरता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत जैसे देश में त्योहारों और व्रतों को श्रद्धा, उत्साह और पारिवारिक सहभागिता के साथ मनाया जाना हमारी सांस्कृतिक आस्था की मजबूती को दर्शाता है। अमीर हो या गरीब, प्रत्येक वर्ग के लोग अपनी सामर्थ्य, परंपरा और श्रद्धा के अनुसार त्योहारों को मनाते हैं। इसलिए भारत में त्योहारों का महत्व केवल धार्मिक और सामाजिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यापक है। त्योहारों के अवसर पर बाजारों में रौनक बढ़ती है, छोटे व्यापारियों और कारीगरों को काम मिलता है तथा परिवारों और समुदायों के बीच मेल-मिलाप के अवसर बनते हैं। लेकिन चिंता का विषय यह है कि पारिवारिक कलह, बेमेल रिश्तों और संयुक्त परिवारों के विघटन का प्रभाव हमारे त्योहारों पर भी दिखाई देने लगा है। अनेक अवसरों पर पर्वों का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है और वे केवल औपचारिकताओं तक सीमित होकर रह जाते हैं। त्योहारों की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब वे परिवार के सदस्यों को एक दूसरे के करीब लाएं, रिश्तों में विश्वास बढ़ाएँ और मनमुटाव दूर करने का माध्यम बनें। यदि त्योहारों को मनाने के बावजूद परिवारों में कटुता, अविश्वास और अलगाव बढ़ता रहे, तो हमें उनके वास्तविक संदेश पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भारत में महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचार और बच्चियों के विरुद्ध सामने आने वाले जघन्य अपराध भी समाज के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। विडंबना देखिए कि जिस देश में नारी को शक्ति, श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक माना जाता है, जहाँ अनेक त्योहारों और धार्मिक परंपराओं में नारी की केंद्रीय भूमिका है, उसी समाज में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा आज भी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है।

आँख है तो जहान है, यह परमात्मा का सबसे बड़ा अमूल्य उपहार है : मुख्यमंत्री

शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया के कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल



इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य को लेकर बेहतर कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही हैं। जिसका लाभ नागरिकों को मिल रहा है। वर्ष 2047 में प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये नागरिकों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में नये मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। एयर एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाई जा रही है। ट्रामा सेंटर संचालित किये जा रहे हैं। विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा की सुविधाएं बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि आँख है तो जहान है। यह परमात्मा का सबसे बड़ा अमूल्य उपहार है। आँखों की रोशनी के बगैर जीवन बड़ा कष्टमय हो जाता है। आँखों की देखभाल करना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार शाम को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया के स्वर्ण जयंती समारोह में अपना संबोधन दे रहे थे। यह आयोजन ?ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। इस आयोजन में रेनबो स्कूल स्टुडेन्ट्स आई स्क्रीन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजन में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी, शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया की फाउंडर एवं मैनेजिंग ट्रस्टी पदमश्री डॉ. आर.बी. रमानी, को-फाउंडर डॉ. राधा रामानी एवं चिकित्सक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया द्वारा आँखों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि एक संस्थान स्वास्थ्य सेवा करते हुए आज अपना स्वर्ण जयंती समारोह मना रहा है। दूसरों की सेवा करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सेवा का यह प्रकल्प कई लोगों के लिये एक वरदान बनकर आया है। इस तरह के कार्य आगे भी जारी रखें, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभांवित होते रहे। डॉ. यादव ने आगे कहा कि सेवा के इस कार्य से दूसरे लोगों को भी प्रेरणा मिलती है और उनके जीवन में बदलाव आता है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में नागरिकों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। केन्द्र सरकार स्वास्थ्य का बजट बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ और विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आगे कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जिसमें ग्रामीण और दूरदराज में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य मिल रहा है। एमआरआई, सिटी स्कैन, रक्त जाँच आदि की सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। यह सेवा कार्य शंकर आई फाउंडेशन इंडिया द्वारा बीते पाँच दशकों से किया जाना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन द्वारा इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के तीन जिलों में पाँच लाख स्कूली बच्चों की आँखों की जाँच करने का संकल्प सराहनीय है। यह एक पवित्र मिशन है। फाउंडेशन प्रदेश के अन्य जिलों में भी इस कार्य को लगातार जारी रखे, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय और वंचित वर्ग को स्वास्थ्य लाभ मिल सके। कार्यक्रम में शंकर आई फाउंडेशन इंडिया द्वारा प्रदेश के 10 राज्यों में 14 सुपर स्पेशलिटी के माध्मय से किये जा रहे सेवा कार्यों को लेकर एक लघु फिल्म भी दिखायी गई।

इंदौर में म्यूल खातों में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का लेनदेन, आरोपियों की प्रॉपर्टी अटैच करवाएगी पुलिस



इंदौर ¯ म्यूल बैंक खातों की खरीद - फरोख्त और धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के सदस्य दिलीप पांडे और शुभम शर्मा से विजय नगर पुलिस पूछताछ कर रही है। आरोपियों द्वारा छह म्यूल खातों का इस्तेमाल कर 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का ट्रांजेक्शन किया गया था।

पुलिस ने आरोपियों के अन्य बैंक खातों की जांच के लिए बैंकों को पत्र लिखा है। धोखाधड़ी से अर्जित की गई आरोपियों की संपत्ति को अटैच करवाने की कोशिश चल रही है। टीआई सीके पटेल के अनुसार आरोपित दिलीप पांडे, शुभम शर्मा, अहमद राजा, भूषण कुशवाह, नरेश यादव, विजेंद्रसिंह, अमित मणि, रमणदीपसिंह भाटिया, नरेंद्र पाटीदार, अमित चौरसिया और योगेश पटेल को गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों से पुलिस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

आरोपी कई राज्यों के निवेशकों से ऑनलाइन रुपये ले चुका है- आरोपित दिलीप कमीशन पर म्यूल खातों की सप्लाई करता था और शुभम द रैपिड इन्वेस्टर्स एडवाइजरी फर्म संचालित कर लोगों से ठगी करता था। टीआई सीके पटेल के मुताबिक आरोपी कई राज्यों के निवेशकों से ऑनलाइन रुपये ले चुका है। अब तक की जांच में 6 म्यूल खाते मिले हैं, जिनका उपयोग ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। इन बैंक खातों में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा के ट्रांजेक्शन किए जाने का खुलासा हुआ है। अब पुलिस अन्य मामलों को लेकर भी जांच कर रही है।

जांच में पता चला उसके पास शेयर मार्केट संबंधित सलाह की अनुमति है, जबकि वह निवेशकों से रुपये ले रहा था। पुलिस ने सभी के विरुद्ध धोखाधड़ी की धारा में कायमी की है। पुलिस आरोपियों के अन्य बैंक खातों के बारे में भी जानकारी निकाल रही है। आरोपियों के बैंक खातों की जानकारी निकालकर सभी की जांच की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि क्या इन खातों का भी इस्तेमाल ठगी करने में किया गया था।

मुख्यमंत्री ने इंदौर से वीसी के माध्यम से कटनी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को किया संबोधित



इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भविष्य की योजनाओं से किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नर्मदा घाटी की सिंचाई परियोजनाओं से जैसे मालवा और निमाड़ में कृषि ने नए क्षेत्रों का विस्तार हुआ है। ऐसा ही विकास का विस्तार सतना और कटनी क्षेत्र के किसानों के लिए शासन के प्रयास जारी है। अभी स्लीमनाबाद में सिंचाई परियोजना से किसानों के लिए नया रास्ता प्रशस्त हुआ है। कटनी को खनिज का गढ़ माना जाता है। लेकिन शासन के प्रयासों से यहां अब आधुनिक खेती की संभावनाएं प्रारंभ हुई है। किसानों द्वारा पारंपरिक खेती से हटकर चिया सीड, अश्वगंधा तथा सूखे मेवे काजू की प्रोसेसिंग शुरू होना शुभ संकेत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर से वीसी के माध्यम से कटनी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को संबोधित कर रहे थे।

प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और अब पशुपालन में असीम संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती और जैविक खेती में वृद्धि के साथ ही अब पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दीपावली पर्व के दौरान गोवर्धन पूजन के साथ ही प्रदेश के वृंदावन गांवों में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक गायों के पालकों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपए और तृतीय 25 हजार रुपए प्रदान किए जायेंगे। भविष्य में पशुपालन और मत्स्यपालन क्षेत्र को समृद्धशाली बनाया जायेगा।

उन्नतशील किसानों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी के उन्नतशील किसानों से उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारों के साथ ही अन्य कार्यों पर संवाद किया। इस दौरान कटनी में बोहरीबंद के किसान गोविंद पटेल ने बताया कि किसानों द्वारा नरवाई प्रबंधन में अच्छा काम किया जा रहा है। हैप्पी सीडर और सुपर सीडर के माध्यम से नरवाई प्रबंधन में अच्छा काम किया जा रहा है।

इसमें शासन द्वारा किसानों को मदद की जा रही है। आवेदन करने के बाद 1 लाख 90 हजार तक के नवीन यंत्रों पर 90 हजार की सब्सिडी की छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जिले में एरिया चिन्हित करे और उस क्षेत्र के किसानों को यंत्र प्रदान करने की योजना बनाये।

अंकित नवानी ने कटनी में सूखे मेवे काजू की प्रोसेसिंग प्रारंभ की- किसान अंकित नवानी ने बताया कि उन्होंने केंद्र शासन की पीएमएफएमई योजना के माध्यम से 10 लाख रूपये की सब्सिडी पा कर काजू की प्रोसेसिंग प्रारंभ की है। इससे उन्हें अच्छा मुनाफा होने लगा है। अब वे ग्रेडिंग, कटिंग और सेलिंग में आगे बढ़ चुके है।

भोपाल के बाद इंदौर-उज्जैन रोड पर इंटीग्रेटेड सिटी बनाएगा डेला ग्रुप, CM से हुई वन-टू-वन चर्चा



इंदौर ¯ डेला समूह फिलहाल भोपाल में 220 एकड़ में रातापानी रिजर्व टाउनशिप निर्माण पर 2250 करोड़ रुपये निवेश कर रहा हैं। यहां पर इंटीग्रेटेड सिटी का निर्माण किया जाएगा जिसमें उद्योग, व्यापार नौकरी, शिक्षा व आवास, स्वास्थ्य व पर्यटन की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

ऐसे में लोगों को रोजगार व शिक्षा के लिए शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाना नहीं होगा। इस परियोजना में लक्जरी विला, ब्रांडेड रेसिडेंस, पांच सितारा वाइल्डलाइफ रिसार्ट तथा घुड़सवारी एवं पोलो की सुविधाएं विकसित करने की योजना हैं।

महू व इंदौर शहर में भी इस तरह की इंटीग्रेटेड टाउनशिप की संभावना देख रहे हैं- भोपाल के बाद अब इंदौर-उज्जैन रोड पर नई टाउनशिप विकसित करेगा। इस संबंध में बुधवार को डेला टाउनशिप के संस्थापक जिमी मिस्त्री की मुख्यमंत्री मोहन यादव से इंदौर में आयोजित ग्रोथ कॉन्क्लेव में वन टू वन चर्चा हुई। मिस्त्री ने बताया कि इंदौर-उज्जैन रोड के अलावा महू व इंदौर शहर में भी इस तरह की इंटीग्रेटेड टाउनशिप की संभावना देख रहे हैं। आगामी कुछ माह में हम प्रदेश सरकार के साथ इस संबंध में अनुबंध करेंगे।

भोपाल एवं इंदौर नगर निगम की सतत विकास रिपोर्ट का विमोचन- कांक्लेव में भोपाल एवं इंदौर नगर निगम की बिजनेस रिस्पांसिब्लिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) का विमोचन किया।भोपाल की रिपोर्ट में कचरा प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयास व इंदौर की रिपोर्ट में पर्यावरण संरक्षण और शहरी प्रशासन की बेहतर कार्यप्रणालियों का उल्लेख किया गया हैं।

विकास के गोल्डन ट्राएंगल के रूप में तैयार होंगे इंदौर, देवास व उज्जैन- कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश यूनिफाइड लैंड डेवलपमेंट एंड बिल्डिंग प्रमोशन नियम-2026 की नई पालिसी का विमोचन किया गया। इससे प्रदेश में बहुमंजिला व भवन निर्माण की रफ्तार बढ़ेगी। नासिक, मुंबई व पुणे को गोल्डन ट्रैंगल की तर्ज पर इंदौर, देवास व उज्जैन का ट्रैंगल बनाएंगे।

नागपुर व मुंबई की तर्ज पर इंदौर में भी हाईराइज इमारतें बनेंगी। नगरीय आवास एवं प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के मुताबिक अभी तक प्रदेश में तीन एफएआर से ज्यादा ऊंची इमारत के निर्माण की अनुमति नहीं थी। अभी तक प्रदेश में ढाई एफएआर की बहुमंजिला इमारत बनी हैं।

प्राइवेट सेक्टर के माध्यम से किफायती घर बनाएंगे-अब हम कह बिल्डर व भवन निर्माताओं को सात एफएआर तक इमारत निर्माण कर सके। इसके अलावा 60 मीटर चौड़ी सड़क किनारे भी बहुमंजिला इमारत बनाए जाने का प्रविधान किया हैं। हम प्रायवेट सेक्टर के माध्यम से किफायती घर बनाएंगे। अब किसी भी व्यक्ति को अपना घर या बिल्डिंग बनाने के लिए को एनओसी लेने के लिए 13 से 14 विभागों के पास भटकने की जरुरत नहीं हैं। चार विभागों की अनुमतियां लेकर कोई भी आवासीय या व्यावसायिक इमारत या औद्योगिक प्रतिष्ठान का निर्माण कर सकेगा।

विंटर सीजन में इंदौर से 13 राज्यों के 17 शहरों के लिए 42 नियमित उड़ानें, रोज औसतन 11 हजार यात्री कर रहे यात्रा



इंदौर ¯ देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से 25 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल लागू हो गया है। इसके तहत इंदौर से देश के 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 17 शहरों के लिए 42 नियमित सीधी उड़ानें संचालित हो रही हैं।

नए शेड्यूल में दिल्ली सबसे व्यस्त रूट बना हुआ है, जहां से रोजाना 9 उड़ानों का संचालन हो रहा है। वहीं मुंबई के लिए 8 उड़ानें उपलब्ध हैं। इन उड़ानों के जरिए प्रतिदिन औसतन 11 हजार यात्री हवाई सफर कर रहे हैं। इंदौर एयरपोर्ट से विंटर सीजन से जबलपुर जैसे शहर से हवाई कनेक्टिविटी टूटी है, तो वहीं जोधपुर और अहमदाबाद के लिए नई उड़ानें शुरू हुई हैं।

विंटर शेड्यूल 30 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में मौजूदा उड़ानों के साथ कुछ नई उड़ानें शुरू होने की भी संभावना है। इसमें गोंदिया, बैंकाक सहित अन्य उड़ानें शुरू होंगी। हालांकि प्रस्तावित उड़ानों का संचालन एयरलाइंस द्वारा बुकिंग शुरू होने पर निर्भर करेगा।

बड़े शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी-इंदौर से दिल्ली और मुंबई के अलावा बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद, जयपुर, चंडीगढ़ और लखनऊ सहित 17 शहरों के लिए हवाई कनेक्टिविटी उपलब्ध है। बेंगलुरु रूट पर रोजाना 4 उड़ानें संचालित हो रही हैं। वहीं हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों के लिए भी नियमित उड़ानों की सुविधा मिल रही है। इससे कारोबार, नौकरी और पर्यटन के सिलसिले में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिल रही है।

दिसंबर से बैंकाक उड़ान पर नजर- इंदौर से वर्तमान में यूएई के अबू धाबी के लिए एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित हो रही है। वहीं दो दिसंबर से बैंकाक के लिए दूसरी अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू होने का शेड्यूल प्रस्तावित है। हालांकि एयरलाइंस ने फिलहाल इसकी बुकिंग शुरू नहीं की है। ऐसे में उड़ान का संचालन शुरू होने को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

कोच्चि के लिए कनेक्टिंग उड़ान की सुविधा- विंटर शेड्यूल में इंदौर से मुंबई और पुणे के रास्ते कोच्चि जाने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिल रही है। इस कनेक्टिंग उड़ान में यात्रियों को विमान बदलने की जरूरत नहीं है। निर्धारित ठहराव के बाद वही विमान कोच्चि तक यात्रा पूरी करेगा। इसके अलावा अबू धाबी की अंतरराष्ट्रीय उड़ान का समय भी बदला गया है। पहले रात में संचालित होने वाली यह उड़ान अब दिन में संचालित हो रही है।

दीपावली पर्व के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर की सतर्कता एवं नमूना कार्रवाई



इंदौर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश , नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल श्री मनोज पुष्प के निर्देशन में तथा कलेक्टर जिला इंदौर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर द्वारा दीपावली पर्व के दृष्टिगत जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 28 अक्टूबर 2026 को नमकीन क्लस्टर सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित मिठाई, नमकीन एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण की परिस्थितियों, साफ-सफाई, खाद्य सुरक्षा मानकों एवं भंडारण व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। आज की कार्रवाई में कुल 8 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 19 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

जैन मिठाई भंडार, नमकीन क्लस्टर, इंदौर-निरीक्षण के दौरान मौके पर प्रतिष्ठान के पार्टनर श्री अंशुल जैन उपस्थित पाए गए। परिसर में खाद्य पदार्थों के निर्माण की परिस्थितियां एवं साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत प्रतिष्ठान संचालक को खाद्य पदार्थों के निर्माण में विशेष सावधानी बरतने, स्वच्छता बनाए रखने तथा खाद्य पदार्थों को सुरक्षित एवं स्वच्छ परिस्थितियों में तैयार करने के आवश्यक निर्देश दिए गए।

शंकर फूड प्रोडक्ट्स, नमकीन क्लस्टर, इंदौर- इकाई के निरीक्षण के दौरान परिसर में आलू चिप्स एवं विभिन्न प्रकार के नमकीन का निर्माण किया जाना पाया गया। खाद्य सुरक्षा संबंधी परिस्थितियां एवं परिसर की स्वच्छता संतोषजनक पाई गई। जांच हेतु विभिन्न प्रकार के नमकीन के कुल 3 नमूने संग्रहित किए गए। इकाई संचालक को निर्माण प्रक्रिया के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, कच्चे एवं तैयार खाद्य पदार्थों को उचित तरीके से रखने तथा खाद्य पदार्थों को संदूषण से बचाने के निर्देश दिए गए।

आशा फूड्स, नमकीन क्लस्टर, इंदौर- आशा फूड्स का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। आगामी पर्व के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं भंडारण में आवश्यक सावधानी बरतने तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

जैन फूड प्रोडक्ट्स, नमकीन क्लस्टर, इंदौर- निरीक्षण के दौरान परिसर में विभिन्न प्रकार के नमकीन एवं आलू वेफर्स का निर्माण किया जाना पाया गया। परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था उचित पाई गई। परिसर से आलू चिप्स, रतलामी सेव एवं आलू लच्छा के कुल 3 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। प्रतिष्ठान संचालक को खाद्य पदार्थों के निर्माण में स्वच्छ एवं सुरक्षित कच्चे माल का उपयोग करने, निर्माण स्थल पर साफ-सफाई बनाए रखने तथा तैयार खाद्य सामग्री को धूल, गंदगी एवं अन्य बाहरी संदूषण से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए।

जैन श्री मार्केटिंग, नमकीन क्लस्टर, इंदौर- जैन श्री मार्केटिंग का निरीक्षण किया गया। परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। परिसर से उज्जैनी सेव,मीठा मिक्सचर एवं लौंग सेव सहित कुल 3 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। प्रतिष्ठान संचालक को खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं भंडारण के दौरान स्वच्छता बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

11 वर्षीय स्वर्गीय पार्थ पंवार का नेत्रदान एवं त्वचादान करने का निर्णय



इन्दौर। मालवीय नगर, इंदौर निवासी श्री रविन्द्र पंवार के 11 वर्षीय सुपुत्र मास्टर पार्थ पंवार के आकस्मिक निधन के बाद शोकाकुल परिवार ने दुःख की इस कठिन घड़ी में मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए उनके नेत्रदान एवं त्वचादान का निर्णय लिया। परिवार की इस सहमति से पार्थ की स्मृति को मानव सेवा के एक प्रेरणादायी कार्य से जोड़ा गया है।

पार्थ के नेत्रदान से दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को नई रोशनी मिलने की आशा है, वहीं त्वचादान से गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के उपचार में सहायता मिलेगी। असहनीय दुःख के बीच पंवार परिवार का यह निर्णय समाज में नेत्रदान एवं त्वचादान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला है। यह पुनीत कार्य मुस्कान ग्रुप पारमार्थिक ट्रस्ट , इंदौर के माध्यम से संपन्न हुआ। इस सेवा कार्य में श्री संजय कासलीवाल, श्री लक्की खत्री एवं श्री उमेश कुंडल ने समन्वय किया। तकनीकी सहयोग श्री जीतू बगानी एवं श्रीमती निवेदिता गोयल द्वारा प्रदान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस को लेकर बैठक आयोजित

बैढन। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में भी विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर प्रभारी कलेक्टर श्री संघप्रिय ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने समारोह को गरिमामय एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को विभागवार दायित्व सौंपे तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन अटल सामुदायिक भवन, बिलौंजी में किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम स्थल की साज-सज्जा, ध्वजारोहण, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान, बैठक व्यवस्था, पेयजल, माइक, मंच संचालन, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और साफ-सफाई सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

पुलिस ने नाबालिग को किया दस्तयाब

सीधी। थाना जमोड़ी पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा नाबालिग बालिका को 24 घंटे के भीतर दस्तयाब कर सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस के अनुसार थाना जमोड़ी क्षेत्र निवासी एक महिला ने थाने में उपस्थित होकर अपनी 14 वर्ष 9 माह की नाबालिग पुत्री के घर से बिना बताए चले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस टीम के सतत प्रयासों के फलस्वरूप 24 घंटे के भीतर नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना जमोड़ी पुलिस के सहायक उप निरीक्षक वीरभान, सहायक उप निरीक्षक रामबाबू, प्रधान आरक्षक कुसुम, प्रधान आरक्षक आजाद का सराहनीय योगदान रहा।

सोमेश्वर प्रलेस के प्रांतीय अध्यक्ष मंडल के चुने गए सदस्य

सीधी। इंदौर में सम्पन्न मध्यप्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ के 14वें राज्य सम्मेलन में प्रसिद्ध लेखक, कवि मोहन कुमार डहरिया छिंदवाड़ा अध्यक्ष, अनिल करमेले भोपाल महासचिव, सोमेश्वर सिंह सीधी अध्यक्ष मंडल सदस्य तथा अशोक तिवारी अकेला कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। निवर्तमान अध्यक्ष सेवाराम त्रिपाठी ने अस्वस्थता के चलते अध्यक्ष की जिम्मेदारी लेने से मना कर दिया था। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री डहरिया ने कहा कि वे प्रगतिशील लेखक संघ की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। सीधी इकाई के अध्यक्ष सोमेश्वर सिंह को अध्यक्ष मंडल का सदस्य तथा अशोक तिवारी अकेला को कार्यकारिणी सदस्य चुने जाने पर सीधी प्रलेस के साथी संरक्षक राजेंद्र भदौरिया, प्रो. अनिल कुमार सिंह, शिव शंकर मिश्रा सरस, जगदीश मिश्रा, अधिवक्ता महेंद्र सिंह गौतम, अरविंद त्रिपाठी, महेश पटेल आदि ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है।



विस्थापन मुद्दा- 53 मांगों पर वार्ता का एनसीएल ने जारी किया कार्यवृत्त

गोरबी में 1750 प्लॉट फरवरी 2027 तक विकसित करने का लक्ष्य

- दूसरे चरण में 50 हेक्टेयर तथा व्यापारिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए 30-30 एकड़ जमीन मांगने की तैयारी

सीधी (ब्यूरो)

मोरवा शहर के विस्थापन को लेकर नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रबंधन की विस्थापन मंचों के प्रतिनिधियों के साथ जिला प्रशासन के नुमाइंदों के साथ गत 10 अक्टूबर को हुई संयुक्त बैठक के बाद एनसीएल प्रबंधन ने संयुक्त मोर्चा के 53 मांगों पर अपना पक्ष और प्रस्तावित कार्ययोजना जारी की है। एनसीएल द्वारा 28 अक्टूबर को जारी कार्यवृत्त में पुनर्वास स्थल, मुआवजा, रोजगार, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, स्कूलों और स्वास्थ्य सुविधाओं के अलावा अन्य बिंदुओं पर प्रबंधन की स्थिति स्पष्ट की गई है।

पुनर्वास के लिए गोरबी में 1750 प्लॉट विकसित करने की योजना

मोरवा के विस्थापित परिवारों को नगर निगम क्षेत्र अथवा उससे लगे इलाके में पुनर्वास स्थल उपलब्ध कराने की मांग विस्थापन मंचों ने उठाई थी। इसके जवाब में एनसीएल ने बताया है कि एनएच-39 पर गोरबी ब्लॉक-बी में पहले चरण के तहत 1750 भूखंड विकसित किए जा रहे हैं। इन्हें फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

हालांकि, गोरबी ब्लॉक-बी में प्रस्तावित पुनर्वास स्थल को लेकर



विस्थापन मंच पहले ही अपनी असहमति जता चुके हैं। मंच ने उक्त प्रस्तावित स्थल के समीप स्थित कोल वाशरी से होने वाले प्रदूषण को लेकर आपत्ति की है। वहीं, दूसरे चरण के लिए एनसीएल ने जिला प्रशासन से 50 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराने की मांग की है। कार्यवृत्त में इसकी उपलब्धता इसी माह नवंबर तक संभावित बताई गई है। मामले में शीघ्र कार्रवाई के लिए भारत सरकार के पीएमजी पोर्टल पर भी उठाया गया है। इसके अलावा एनसीएल की पूर्व में अधिग्रहित जमीन को पुनर्वास स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

व्यापारिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए 30-30 एकड़ जमीन की मांग

विस्थापन मंचों ने प्रभावित व्यापारियों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के पुनर्स्थापन की मांग भी रखी थी। इस पर एनसीएल ने बताया है कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए पहले 15 एकड़ जमीन की मांग जिला प्रशासन के समक्ष रखी गई थी। अब मोर्चा के मांग-पत्र के एक अन्य बिंदु को शामिल करते हुए इसे बढ़ाकर 30 एकड़ करने की मांग की जाएगी। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए भी 15 एकड़ के स्थान पर 30 एकड़ जमीन की मांग जिला प्रशासन से किए जाने का उल्लेख है।

एनसीएल ने भी रखी शर्त - एनसीएल के अनुसार, इस प्रक्रिया में विस्थापन मंच की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी। स्वयं की जमीन पर संचालित व्यापारिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों को मुआवजे के एवज में समतुल्य भूमि देने की बात कही गई है। वहीं, सरकारी अथवा अन्य की जमीन पर निर्मित प्रतिष्ठानों के लिए आवंटित भूमि का मूल्य निर्धारित शर्तों के अनुसार मुआवजा राशि से समायोजित किया जाएगा। जमीन की उपलब्धता और स्थान जिला प्रशासन पर निर्भर रहेगा।

ग्राम नैकहवा में मनाया गया गोंडवाना स्वाभिमान दिवस



- हीरा सिंह मरकाम को दी गई श्रद्धांजलि

सीधी (ब्यूरो)

गोंडवाना रत्न पेनवासी दादा हीरा सिंह मरकाम की छठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम नैकहवा, बगदरा, तहसील चितरंगी, जिला सिंगरौली में गोंडवाना स्वाभिमान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के लोगों ने सहभागिता कर दादा हीरा सिंह मरकाम जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके विचारों और सामाजिक योगदान को याद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय अजय प्रताप सिंह जी, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तथा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के सिंगरौली जिला अध्यक्ष माननीय दल प्रताप सिंह पैगाम जी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रामसिया जायसवाल, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट शैलेन्द्र सिंह आयाम तथा एडवोकेट चंद्रबली सिंह पोया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने सत्यम सनातन ट्रस्ट के खातों से साईबर ठगी के 11.63 करोड़ के हेरफेर का किया खुलासा, 8 गिरफ्तार

सीधी (ब्यूरो)

पड़ोसी जिले सोनभद्र (यूपी) की पुलिस ने सत्यम सनातन ट्रस्ट के बैंक खातों से साइबर ठगी के करोड़ों रुपयों की लेनदेन के मामले का खुलासा कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में मध्यप्रदेश से तीन सहित कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान ट्रस्ट के बैंक खातों से जुड़े 35 साईबर ठगी के मामले सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार ट्रस्ट के खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर साईबर ठगी से प्राप्त रकम को इधर-उधर भेजने के लिए किया जा रहा था। इनमें लगभग 11.63 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है।

ट्रस्ट के नाम पर खोले गए बैंक खाते- अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, ऋभ रनवाल के अनुसार जांच में सामने आया कि ट्रस्ट संचालक ऋषिकेश पांडेय ने ट्रस्ट के नाम पर बैंक खाते खुलवाए और संगठन से कई लोगों को जोड़ा। आरोप है कि इन खातों के नंबर और एटीएम कार्ड मध्य प्रदेश के कुछ लोगों को उपलब्ध कराए गए, जिनके माध्यम से साइबर ठगी की रकम का लेनदेन किया जाता था। पुलिस को ट्रस्ट के कई बैंक खाते मिले हैं। इनमें से एक खाते में ही 2.37 करोड़ रुपये प्राप्त होने की जानकारी सामने आई है। जांच अधिकारी के अनुसार ठगी से प्राप्त रकम में से 20 प्रतिशत कमीशन कथित तौर पर ट्रस्ट अध्यक्ष ऋषिकेश पांडेय को दिया जाता था, जबकि शेष रकम अन्य लोगों के बीच बांटी जाती थी।

अन्य संस्थाओं के नाम पर भी खाते- पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि सोनभद्र में धर्मोदय फाउंडेशन, बालसा कंस्ट्रक्शन एंड ट्रेडिंग एलएलपी और भू मित्रम इंडिया माइक्रो फाउंडेशन ट्रस्ट सहित अन्य संस्थाओं के नाम पर भी बैंक खाते खोले गए थे। इन खातों में भी संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली है। पुलिस अब इन खातों के जरिए हुए लेनदेन और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

एमपी से गिरफ्तार तीन में एक भोपाल व दो सिंगरौली के -पुलिस के अनुसार रविवार शाम मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों की पहचान जय कुमार पांडेय (35), निवासी भोपाल, राजेश पोद्दार (46) और बब्बू प्रजापति (27), निवासी सिंगरौली, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। तीनों को ट्रांजिट रिमांड पर बुधवार को सोनभद्र लाया गया और न्यायालय में पेश किया गया।

पूजा पार्क में चल रही श्री राम कथा

सीधी (ब्यूरो)

पूजा पार्क में चल रही तृतीय दिवस संगीतमय श्री राम कथा भगवान श्रीराम के जन्म की कथा हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथ रामायण और रामचरितमानस का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आनंददायक प्रसंग राम जन्म की कथा के मुख्य बिंदु कथा प्रवक्ता निलेश महाराज प्रकाश डाला।

पुत्रहीनता की चिंता अयोध्या के राजा दशरथ इक्ष्वाकु वंश के अत्यंत प्रतापी और धर्मी राजा थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी उनकी कोई संतान नहीं थी, जिससे वे और उनकी रानियां (कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा) दुखी रहते थे। पुत्रेष्टि यज्ञ- गुरु वशिष्ठ की



सलाह पर राजा दशरथ ने श्रृंग ऋषि (ऋष्यश्रृंग) के मार्गदर्शन में पुत्रेष्टि यज्ञ कराया। प्रसाद (खीर) का वितरण- यज्ञ के समापन पर अग्निदेव प्रकट हुए और राजा दशरथ को एक पात्र में दिव्य खीर (पायस) दी। राजा दशरथ ने वह खीर अपनी रानियों में बांटी- कौशल्या और कैकेयी को आधा-आधा भाग दिया, और उन्होंने अपना हिस्सा सुमित्रा को भी दिया।चारों पुत्रों का जन्म- चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में मध्यदिन (दोपहर 12 बजे) के समय माता कौशल्या की गोद से भगवान श्रीराम का दिव्य नीलवर्ण एवं तेजोमय रूप में प्रकट हुए।

वित्तीय साक्षरता व साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीधी (ब्यूरो)

जनपद पंचायत मझौली के ग्राम पंचायत छुही क्षेत्र में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, शाखा मझौली द्वारा भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आशीष पांडे क्षेत्रीय प्रबंधक, अजय सावनेर उप क्षेत्रीय प्रबंधक, देवेश कुमार नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, आर सिटी डायरेक्टर शिवेंद्र चौधरी, निरंजन पासवान शाखा प्रबंधक मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक मझौली, चंद्रकांत सिंह विकासखंड प्रबंधक एवं छुही के प्राचार्य की गरिमामयी उपस्थिति में वित्तीय साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को वित्तीय साक्षरता के महत्व, बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल लेन-देन में सावधानियों तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

साथ ही, लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने से होने वाले नुकसान तथा सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना, डिजिटल बैंकिंग के प्रति विश्वास बढ़ाना तथा साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करना रहा।



पुलिस अधीक्षक ने किया खुलासा

मेडिकल स्टोर व सीमेंट गोदाम से नशीली दवाओं का जखीरा बरामद, दो गिरफ्तार

सीधी (ब्यूरो)

बरगवां पुलिस ने नशीली दवाओं के अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में बरामदगी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूरे मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम. ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 1,318 बोतल कोडीनयुक्त कफ सिरप, 52,560 टैबलेट-कैप्सूल, एक बोलेरो और एक मोटरसाइकिल जब्त किया गया है। पुलिस अब इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और दवाओं की सप्लाई चेन की पड़ताल कर रही है।

मेडिकल स्टोर से शुरू कार्रवाई सीमेंट गोदाम तक चली

एसपी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर प्रदेशभर में चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष एंटी नारकोटिक्स



अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत के निर्देशन, रीवा रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक हेमंत चौहान के मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम. के नेतृत्व में जिले में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान बरगवां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में कोडीनयुक्त कफ सिरप और नशीली दवाओं का अवैध भंडारण एवं बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कसर के सामने स्थित स्टार मेडिकल स्टोर के पास कार्रवाई करते हुए सुकसेन बैस पिता रुद्र प्रसाद बैस उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम सेमुआर थाना बरगवां को पकड़ा। उसके पास मोटरसाइकिल पर रखी दो पेटियों से एपीकोरेस ,क्ष्ह्रक्ष्ह्रक्ष्स कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप की 238 शीशियां बरामद हुई। इनकी अनुमानित कीमत 45,458 रुपये बताई गई है। वहीं परिवहन में इस्तेमाल की जा रही हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई।

सीमेंट गोदाम में मिला दवाओं का बड़ा स्टॉक

प्रारंभिक पूछताछ और जांच में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने स्टार मेडिकल स्टोर के संचालक नीतीश कुमार बैस पिता शारदा प्रसाद बैस उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम सेमुआर, से पूछताछ की। इसके बाद गांव में ईट प्लांट में बने सीमेंट गोदाम में दबिश दी गई। यहां से कोडीनयुक्त कफ सिरप की 1,080 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस ने गोदाम से डिपाटरम प्लस के 10,080 कैप्सूल, फाईलों स्पास - टी के 17,280 कैप्सूल और एल्जोमैक - 0.5 की 25,200 टैबलेट भी जब्त कीं। इसके अलावा मौके से सफेद रंग की बोलेरो, जिसका पंजीयन क्रमांक स्क्क66ञ्च 3098 है और अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपये की जब्त की है।

अदाणी फाउंडेशन ने 18 विद्यालयों में 39 प्रकार की स्टेशनरी की वितरित

बैढन। विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने, उनकी सीखने की क्षमता को विकसित करने और बेहतर परीक्षा परिणामों के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बंधौरा स्थित महान एनर्जन लिमिटेड के सामाजिक सरोकारों के तहत संचालित उत्थान प्रोजेक्ट के अंतर्गत 18 विद्यालयों में विद्यार्थियों को 39 प्रकार की स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई।

अवैध रेत सहित वाहन जब्त

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय राघवेंद्र द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक केदार परौहा के नेतृत्व में थाना जमोड़ी पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रेत से लोड टाटा 407 वाहन जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार 29 अक्टूबर को थाना जमोड़ी में गश्त के दौरान मुखबिर के बताए हुलिए का पीले रंग का टाटा 407 वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने वाहन को रोककर जांच की तो उसमें रेत लोड पाई गई।

श्रद्धालुओं के साथ जन प्रतिनिधियों ने भी किया कथा का रसपान

डैनिहा में श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर भण्डारा आयोजित

सीधी (ब्यूरो)

भागवत भास्कर श्रद्धेय श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री %श्री ठाकुर जी %महराज श्री वृंदावन धाम के मुखारविंद से मुकुटधारी सिंह चौहान के डैनिहा आवास पर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का धर्मभीरू श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा - रसपान किया। समापन पर आयोजित कथा के महाप्रसादम भण्डारे में चार-पांच हजार श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। प्रथम दिवस के प्रसंग श्रीमद्भागवत महाकाव्य मंगलाचरण, द्वितीय दिवस सती चरित्र ध्रुव कथा कपिल देवहूति संवाद, तृतीय दिवस नरसिंह अवतार वामन अवतार ,चतुर्थ दिवस श्री राम जन्मोत्सव श्री कृष्ण जन्मोत्सव नंदोत्सव, पंचम दिवस



बाललीला श्री गोवर्धन पूजा, षष्ठ दिवस रासपंचाध्याय रुक्मिणी विवाह द्वारका लीला, सप्तम दिवस सुदामा चरित्र श्री कृष्ण उद्धव संवाद परीक्षित मोक्ष शुकदेव पूजा कथा विश्राम। कथा में आमंत्रित गणमान्य जनों परिजनों व हजारों नियमित श्रद्धालु श्रोताओं के साथ विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों का आगमन व कथाश्रवण हुआ। राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथावाचक पूज्यश्री कृष्ण चंद्र शास्त्री जी को सुनने के लिए सीधी शहर व आसपास के हजारों कथाप्रेमी आगंतुकों तथा आमंत्रित जनों ने नियमित रूप से उपस्थित होकर कथाश्रवण किए। कथा प्रारंभ के दिन प्रमुख रूप से चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल भइया ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी क्रम में सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक , सिंगरौली जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना नागेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व विधायक केदारनाथ शुक्ला, मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रीद्वय लखन पटेल व श्रीमती राधा सिंह, सीधी सांसद डा. राजेश मिश्रा, पूर्व मंत्री कमलेश्वर द्विवेदी, पूर्व सांसद अजय सिंह, सीधी जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू रामजी सिंह एवं श्रीमद्भागवत कथा समापन में पहुंचे रीवा रियासत के युवराज दिव्यराज सिंह की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। सभी आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए कथाआरती और कथा प्रसाद नियमित रूप से उपलब्ध कराया गया। कथाव्यास के लिए भव्य मंचीय सजावट के साथ साथ संगीतमय कथाश्रवण करने आए अतिथियों गणमान्य जनों परिजनों महिला /पुरुषों के लिए सुंदर बैठक व अन्य सभी व्यवस्थाओं का सुचारु संचालन आयोजक इंजी. विनय -मृदुला सिंह, अजय-मनीला सिंह व अभय-करिश्मा सिंह तथा डैनिहा परिवार द्वारा किया गया। आयोजन में कृपापूर्वक पधारे सभी कथाप्रेमियों का आभार प्रकट करते हुए पूर्व नगरपालिका अधिकारी एवं समाज सेवी मुकुटधारी सिंह ,उनके परिवार ने सभी श्रद्धालुओं के लिए मंगलकामनाएं की है।

करवा चौथ पर मोरवा पुलिस ने प्रसारित किया सुरक्षा संदेश

- प्रमुख स्थानों पर बैनर लगाकर किया जागरुक

सीधी (ब्यूरो)

करवा चौथ के अवसर पर मोरवा पुलिस ने यातायात जागरूकता अभियान के जरिए लोगों को सुरक्षित सफर का संदेश दिया। मोरवा निरीक्षक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में नगर के प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्ततम क्षेत्रों में जागरूकता पोस्टर-बैनर लगाकर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को याद दिलाया गया कि उनकी छोटी-सी सावधानी परिवार की खुशियों और अपनों की जिंदगी की सुरक्षा का आधार बन सकती



है।

पुलिस की ओर से बस स्टैंड, अस्पताल तिराहा, सब्जी मंडी, हनुमान मंदिर, एलआईजी चौराहा और रेस्ट हाउस सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर बैनर लगाए गए। इन पर हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना है।

करवा चौथ पर दिया सुरक्षा का संदेश- करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के प्रेम और लंबी उम्र की कामना से जुड़ा है। इसी भाव को यातायात जागरूकता से जोड़ते हुए पुलिस ने सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की। संदेश दिया गया कि घर पर कोई अपने प्रियजन के लौटने का इंतजार करता है, इसलिए जल्दबाजी, लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी से बचना जरूरी है। दोपहिया वाहन पर हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का इस्तेमाल दुर्घटना के दौरान गंभीर चोट के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्पेन के बिलबाओ में भड़की हिंसा, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के वाहन फूंके; 9 गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेन के बिलबाओ में दक्षिणपंथी कार्यकर्ता वीटो क्विल्स को एक कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन उनके आने के विरोध में बिलबाओ में हिंसक प्रदर्शन शुरू हुए। हिंसक प्रदर्शन में कई कारों और कचरे के कंटेनरों में आग लगा दी गई।

हिंसा भड़कने के चलते सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम को रद कर दिया गया, जिसके बाद ड्यूस्टो इलाके में दंगा-रोधी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ। पुलिस ने इस हिंसक प्रदर्शन नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर लगाई आग- प्रदर्शनकारियों ने चेहरे ढके हुए थे। उन्होंने कंटनर और कारों में आग लगा दी। इस प्रदर्शन में कम से कम छह कारों, कचरे के कई कंटेनरों और नगर पुलिस की एक मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचा, जबकि दमकलकर्मियों को कई जगहों पर लगी आग बुझाने के लिए पहुंचना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर बैरिकेड्स लगाकर रास्ता भी रोका। स्पेन से इस हिंसात्मक प्रदर्शन का वीडियो भी सामने आया है।

स्पेनिश अखबार एल कॉन्स्टिट्यूशनल के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ड्यूस्टो के पास शाम 7 बजे क्विल्स के कार्यक्रम के खिलाफ पहले से ही प्रदर्शन चल रहे थे। लेकिन सोमवार को ये प्रदर्शन काफी उग्र हो गए।

जबरदस्ती भड़काई गई हिंसा- अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों का एक समूह ड्यूस्टो पुलिस स्टेशन की ओर बढ़ा, जहां उन्होंने पत्थर फेंके और नगर पुलिस की मोटरसाइकिल में आग लगा दी।

सुरक्षा विभाग का आरोप है कि इसमें शामिल लोगों ने जानबूझकर हंगामा किया, जबकि उन्हें पता था कि कार्यक्रम रद कर दिया गया है।

पुलिस के निर्देशों के बाद, यूनिवर्सिटी ऑफ ड्यूस्टो ने दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) से अपनी गतिविधियां रोक दीं और एहतियात के तौर पर दोपहर 3 बजे (स्थानीय समय) अपना कैंपस बंद कर दिया।

संस्थान ने कहा कि यह कार्यक्रम बाहर के लोगों द्वारा आयोजित किया गया था, इसके लिए कैंपस में कोई अनुमति नहीं ली गई थी और यूनिवर्सिटी का इसे कोई समर्थन नहीं था।

वीटो किल्स ने रद किया कार्यक्रम- वीटो क्विल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कार्यक्रम रद होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने पुलिस ऑपरेशन के प्रमुख से बात की थी, जिन्होंने उन्हें घटनाओं के बहुत अधिक जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी।

किल्स ने इसी पोस्ट पर प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि वे श्वञ्ज (एक पूर्व आतंकवादी संगठन) के सदस्य, सड़क पर हिंसा करने वाले आतंकवादी और अन्य अपराधी हैं।

हालांकि उन्होंने अपने इन आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को नीच भी कहा और लिखा, %हम बिलबाओ वापस आएंगे। लेकिन 29ह (29 नवंबर) को उन्हें वैसा ही जवाब देंगे, जिसके वे हकदार हैं।

स्पेन में हर जगह विरोध प्रदर्शन

बिलबाओ में ये झड़पें ऐसे समय में हुई हैं जब पूरे स्पेन में किफायती घरों की उपलब्धता और बढ़ती महंगाई को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

स्पेन में आवास को लेकर देशव्यापी प्रदर्शनों की शुरुआत सितंबर 2026 के आखिर में हुई, जब 23 सितंबर को मैड्रिड में 87 वर्षीय मारिकार्मेन अबास्कल को उनके घर से बेदखल कर दिया गया।

गृहयुद्ध और आतंक का साया... गद्दाफी के अंत के 15 साल बाद भी क्यों बिखरा हुआ है लीबिया?



नई दिल्ली (एजेंसी)। आज से ठीक पंद्रह साल पहले 20 अक्टूबर 2011 को लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी का उनके गृहनगर सिरते में खूनी और हिंसक अंत हुआ था। वर्षों से गुलामी की जंजीरों में कैद लीबिया के लोगों के लिए यह घटना किसी सावन से कम नहीं था।

अफ्रीकी महाद्वीप पर चार दशकों से अधिक समय तक राज करने वाले एक ताकतवर शासक के पतन से लीबिया के लोगों के मन में एक नए लोकतांत्रिक और समृद्ध भविष्य की उम्मीद तो जरूर जगी थी, लेकिन जमीन पर यह उम्मीद केवल एक भ्रांती साबित हुई और सच कुछ और निकला...

गद्दाफी के जाने के बाद लीबिया में स्थिरता आने के बजाय अराजकता, गृहयुद्ध और राजनीतिक विभाजन का ऐसा दौर शुरू हुआ जो आज यानी 2026 में भी जारी है। ऐसे में अब सवाल है कि आखिर गद्दाफी की सत्ता के पतन के बाद लीबिया कैसे टुकड़ों में बंट गया और आज भी क्यों संभल नहीं पाया है?

साल 2011 की शुरुआत में ट्यूनीशिया और मिस्र की तर्ज पर लीबिया में भी जनता ने तानाशाही के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया। बेन्गाजी शहर से शुरू हुए इन प्रदर्शनों पर गद्दाफी की सेना ने बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की। हालात इतने बिगड़े कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हस्तक्षेप करते हुए नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रस्ताव पास किए।

फिर समय आया मार्च 2011 का, जब नाटो ने सैन्य कमान अपने हाथ में ले ली और नो-फ्लाई जोन लागू कर दिया। आखिरकार 21 अगस्त 2011 को विपक्षी ताकतों ने त्रिपोली पर कब्जा कर लिया और 20 अक्टूबर को गद्दाफी को सिरते में घेरकर मार गिराया गया।

गृहयुद्ध और देश का विभाजन का कारण

अब इस बात को ऐसे समझिए कि गद्दाफी के जाने के बाद देश में सत्ता संभालने के लिए कोई मजबूत संस्था नहीं बची। अलग-अलग सशस्त्र मिलिशिया यानी लड़ाकों के गुट अपने हथियारों के साथ हावी हो गए।

फिर समय आया 2024 का... जब लीबिया को पूर्ण गृहयुद्ध में धकेल दिया गया। लीबिया राजनीतिक और सैन्य रूप से दो मुख्य कैंपों में बंट गया। एक पश्चिमी लीबिया यानी त्रिपोली और दूसरी पूर्वी लीबिया।

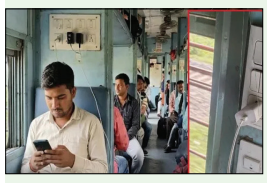
लीबिया के दोनों भाग में अंतर क्या है? समझिए

देखिए, पश्चिमी लीबिया यानी त्रिपोली में संयुक्त राष्ट्र समर्थित सरकार का शासन है। वर्तमान में प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद दबीबाह के नेतृत्व वाली तह का शासन है। इसके इतर पूर्वी लीबिया में जनरल खलीफा हफ्तर की %लीबियाई नेशनल आर्मी% और ओसामा हम्माद के नेतृत्व वाला प्रशासन का प्रभाव है।

आतंकवाद ने कैसे पसारे पैर?

इस बात को ऐसे समझिए कि लीबिया में जारी इस रस्साकशी, बंटवारे और कमजोर राजनीतिक वैक्यूम का फायदा उठाकर खूंखार आतंकवादी संगठन आईएस आईएस ने सिरते और डर्ना जैसे शहरों में पैर पसार लिए, जिन्हें बाद में स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय बलों ने कड़ी मशक्कत के बाद खदेड़ा।

ट्रेन में सफर करने वालों को झटका! रात 11 से सुबह 5 बजे तक मोबाइल चार्जिंग बंद



नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली और छठ से पहले रेलवे बोर्ड ने बड़ा फैसला लिया है, जो ट्रेन में सफर करने वालों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। दरअसल, ट्रेन में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्ज करने पर रेलवे ने पाबंदी लगा दी है। रेलवे बोर्ड ने देश के सभी जोनल रेलवे को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा है कि, रात 11:00 बजे से सुबह 05:00 बजे तक सभी ट्रेनों के कोचों में चार्जिंग पॉइंट बंद रखे जाएं। इस नियम का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या छूट की कोई गुंजाइश नहीं होगी।

रेलवे बोर्ड ने क्यों लिया फैसला- यह फैसला दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में सामने आई एक गंभीर घटना के बाद लिया गया है। हाल ही में सफर के दौरान एक यात्री का पावर बैंक चार्जिंग पर लगा हुआ था, जो अचानक तेज धुएं के साथ फट गया।

इस खतरनाक घटना से ट्रेन के कोच में हड़कंप मच गया था। इसी सुरक्षा चूक को गंभीरता से लेते हुए रेलवे बोर्ड ने 26 अक्टूबर को आधिकारिक आदेश जारी कर नियमों की सख्ती से पालना करने को कहा है। रेलवे बोर्ड के निर्देश के अनुसार, ऑनबोर्ड स्टाफ की यह जिम्मेदारी होगी कि वे तय समय पर चार्जिंग स्विच ऑफ करें। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों और सुपरवाइजर्स द्वारा औचक निरीक्षण यानी सरप्राइज इंस्पेक्शन भी किए जाएंगे। साथ ही, कर्मचारियों को इसके लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित और काउंसिल भी किया जाएगा ताकि वे पूरी मुस्तैदी से नियमों का पालन करवा सकें।

यह कोई नया नियम नहीं !साल 2014 में बेंगलुरु-हजूर साहिब नांदेड़ एक्सप्रेस में आग लगने की दुर्घटना के बाद रेलवे सुरक्षा आयुक्त की सिफारिश पर 19 जून 2014 को यह पाबंदी पहली बार लगाई गई थी। इसके बाद मार्च 2021 में भी सुरक्षा कारणों से इसे कड़ाई से लागू किया गया था।रेलवे ने सभी यात्रियों को सलाह दी है कि यदि वे लंबी दूरी या रात भर का सफर कर रहे हैं, तो ट्रेन में चढ़ने से पहले ही अपने मोबाइल और जरूरी गैजेट्स चार्ज कर लें, क्योंकि रात 11 से सुबह 5 बजे के बीच चार्जिंग पॉइंट बंद रहेंगे।

मध्यावधि चुनावों में ट्रंप को वोट देने वाले 25% दक्षिण एशियाई अमेरिकी करेंगे डेमोक्रेट्स को वोट, सर्वे में खुलासा



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक सर्वे में सामने आया है कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में डोनल्ड ट्रंप को वोट देने वाले दक्षिण एशियाई मूल के कम से कम 25 प्रतिशत अमेरिकी तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों का समर्थन करने की योजना बना रहे हैं। यह सर्वे इंडियन अमेरिकन इपैक्ट नामक एक संस्था ने किया।

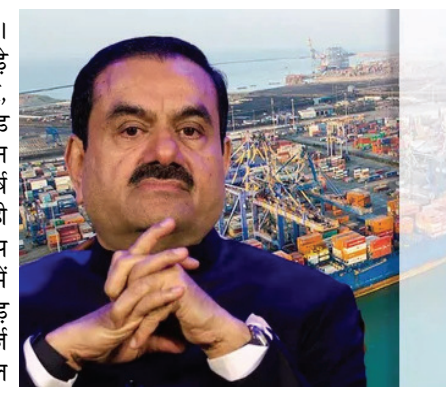
इसमें मध्यावधि चुनावों के लिए मुख्य मुद्दों के रूप में जीवन-यापन की लागत (65 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा (53 प्रतिशत), नौकरियां और वेतन (33 प्रतिशत) तथा शिक्षा (28 प्रतिशत) को शामिल किया गया है।

सर्वे में शामिल दक्षिण एशियाई मूल के 800 पंजीकृत मतदाताओं में से 87 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी थे, जबकि बाकी 13 प्रतिशत में पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, श्रीलंकाई, नेपाली, भूटानी, मालदीवी, अफगानी, खमेर और बर्मी मूल के लोग शामिल थे।

2024 के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को वोट देने वालों में से 96 प्रतिशत लोग आगामी चुनावों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की योजना बना रहे हैं।

सर्वे से पता चला है कि ट्रंप को वोट देने वाले दक्षिण एशियाई मूल के अमेरिकियों में से 67 प्रतिशत अब भी रिपब्लिकन का समर्थन करते हैं, लेकिन 25 प्रतिशत ने कहा कि वे डेमोक्रेट्स का समर्थन करेंगे। यह सर्वे ऐसे समय में सामने आया है, जब टेक्सस सहित कई राज्यों में अर्ली वोटिंग शुरू हो चुकी है।

अदाणी पोर्ट्स का शानदार प्रदर्शनः Q2 में 17% बढ़ा मुनाफा, रेवेन्यू में 24% इजाफा; कैश बैलेंस 12,502 करोड़ रुपये



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने बुधवार को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के फाइनेंशियल रिजल्ट्स पेश किए। नतीजों में कंपनी ने 3,622 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया। यह पिछले साल की इसी अवधि के 3,109 करोड़ रुपये के मुनाफे से 17ह अधिक है।

कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 11,340 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 9,167 करोड़ रुपये से 24ह ज्यादा है।

रेवेन्यू गाइडेंस को बढ़ाया- अदाणी पोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने गाइडेंस (अनुमान) को भी बढ़ाया है, जिसका आधार पहली छमाही का शानदार प्रदर्शन है। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया, रेवेन्यू गाइडेंस को 1,000 करोड़ रुपये बढ़ाकर 44,000-46,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि EBITDA गाइडेंस को भी 1,000 करोड़ रुपये बढ़ाकर 26,000-27,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

जुलाई-सितंबर तिमाही में, अदाणी पोर्ट्स के घरेलू पोर्ट रेवेन्यू में 13ह की वृद्धि हुई, और इसका EBITDA मार्जिन 72.5ह रहा। इंटरनेशनल पोर्ट रेवेन्यू में 71ह की बढ़ोतरी हुई, जबकि EBITDA 3.4 गुना बढ़ गया और इसका मार्जिन रिकॉर्ड 47.7ह तक पहुंच गया।

लॉजिस्टिक्स रेवेन्यू में 21ह की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण कंपनी के इंटीग्रेटेड शोर-टू-डोर (बंदरगाह से दरवाजे तक) नेटवर्क का विस्तार था।

मरीन रेवेन्यू में सालाना आधार पर 57ह की बढ़ोतरी हुई, जिसमें ग्लोबल फ्लीट (जहाजों के बेड़े) के विस्तार और कंपनी के सबसी (समुद्र के नीचे की) सेवाओं में प्रवेश का बड़ा योगदान रहा। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने अपने एम्बिशन 2031 लक्ष्यों की दिशा में तेजी लाते हुए, अपने कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) गाइडेंस को भी 3,000 करोड़ रुपये बढ़ाकर 15,000-17,000 करोड़ रुपये कर दिया है।

अदाणी पोर्ट्स की मजबूत बैलेंस शीट इसके डेवलपमेंट प्लान्स को सहारा देती है। पहली छमाही में 13,327 करोड़ रुपये का ऑपरेटिंग कैश फ्लो प्राप्त हुआ, जिससे 10,521 करोड़ रुपये के निवेश को फंड किया गया।

पिछले दो वर्षों में 30,346 करोड़ रुपये के कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) के बावजूद, नेट डेट-टू-श्वञ्चह्लञ्ज अनुपात 1.8× रहा, जबकि कैश बैलेंस 12,502 करोड़ रुपये के मजबूत स्तर पर बना रहा।

सोमालिया में अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब ग्रुप ने 20 जवान किए ढेर, 75 आतंकी भी मारे गए



नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लामी चरमपंथी लड़ाकों ने हमले में सोमालिया के कम से कम 20 सैनिकों को मार डाला। ये हमला चरमपंथी लड़ाकों ने घात लगाकर किया है। हमले में बचे एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सरकार ने सैन्य वाहनों को नुकसान पहुंचने की बात तो स्वीकार की लेकिन सैनिकों के हताहत होने के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी। अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब समूह ने दक्षिणी सोमालिया के जामीका गांव के पास सोमवार को हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ये समूह लगभग दो दशकों से सोमालिया की सरकार के खिलाफ लड़ रहा है।

75 आंतकियों को मारने का दावा- रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई घंटों तक चली लड़ाई में उनके सैनिकों ने लगभग 75 आतंकवादियों को मार गिराया और 56 को घायल कर दिया। वहीं, अल-शबाब ने दावा किया कि उसने कुल 321 सैनिकों को मार डाला है और कुछ सैनिकों को बंदी बनाने के साथ-साथ सैन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। हताहतों की संख्या और पकड़े गए सैनिकों एवं उपकरणों के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

काफिले के साथ जा रहे एक सैन्य अधिकारी, अब्शीर अब्दीकरीम ने मंगलवार देर रात फोन पर द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने कम से कम 20 साथी सैनिकों के शव देखे। उन्होंने बताया कि सैनिक लीगो से आगे बढ़कर बे क्षेत्र के बुरहाकाबा जिले में जामीका पहुंचे, जहां उनकी आतंकवादियों के साथ भारी गोलीबारी हुई।

उन्होंने कहा कि पहले लापता बताए गए कुछ सैनिक मंगलवार को बालेडोगले पहुंच गए, जबकि बाकी सैनिकों का अभी भी कोई पता नहीं है।

सेना पर घात लगा कर किया हमला अल-शबाब ने कहा कि उसके लड़ाकों ने उस इलाके में सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जो उनके नियंत्रण में है। मंत्रालय के अनुसार, उग्रवादियों ने सेना के वाहनों पर हमला करने के लिए विस्फोटकों से लदे वाहनों का इस्तेमाल किया, जिससे सेना के कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

इजरायल चुनाव में जीत की ओर नेतन्याहू, ट्रंप ने लिया क्रेडिट



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके समर्थन से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इजरायल के 26वें नेसेट (संसद) चुनाव में पासा पलटने में मदद मिली, जिससे मौजूदा प्रधानमंत्री का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा।

शुरुआती नतीजों में नेतन्याहू का गुट आगे तो है, लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से पीछे रह गया है। सुबह 7:58 बजे तक 57.3 मतपेटियों की गिनती के बाद केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा जारी शुरुआती नतीजों में नेतन्याहू समर्थक गुट को 55 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि नेतन्याहू विरोधी गुट को 49 सीटें मिल रही हैं।

अरब पार्टियों के 16 सीटें जीतने का अनुमान है। वहीं, रिजर्विस्ट्स (2.6 वोट), पीपल ऑफ इजरायल (1.7 वोट) और चारेदी पब्लिक (0.2 वोट) जैसी पार्टियां 3.25 की उस न्यूनतम सीमा (इलेक्टोरल थ्रेशोल्ड) को पार नहीं कर पाई, जो नेसेट में प्रवेश के लिए जरूरी है।

सैनिकों सहित अन्य लोगों के वे वोट जो दोहरे लिफाफों (डबल एनवेलप) में डाले गए थे उनकी गिनती बाद में की जाती है। बुधवार को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इरविंग सी. श्वार्ट्ज की एक टिप्पणी शेयर की, जिसमें कहा गया था, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने बीबी नेतन्याहू का समर्थन किया, तो पूरा पासा ही पलट गया।

अब एक महान प्रधानमंत्री की करारी हार के बजाय, ऐसा लग रहा है कि नेतन्याहू ने पीछे रहने के बावजूद जोरदार वापसी की है यह एक तरह का गतिरोध है, या यूं कहें कि नेतन्याहू की जीत ही है।

इसमें आगे कहा गया, यह सब राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन के बाद हुआ जो केवल मध्य पूर्व, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका की भलाई चाहते हैं! इसके अलावा, द जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सस में एक रैली में शामिल होने के बाद एयर फोर्स वन के पास पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि इजरायली नेता ने उम्मीदों से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।

ट्रंप ने कहा, मैंने सुना है कि पोल के आंकड़े गलत थे... एग्जिट पोल; मैंने सुना है कि नेतन्याहू ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन उन्होंने बहुत अच्छा किया। जब समर्थन की बात सामने आई तो इससे उन्हें काफी मदद मिली।उन्होंने आगे कहा, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन मुझे इजरायल से खबर मिल रही है कि वहां के प्रमुख लोग कह रहे हैं, वाह! उन्होंने लोगों की उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। ऐसा लग रहा है कि या तो मुकाबला बराबरी पर छूटेगा या फिर उनकी जीत होगी।

इजरायली पीएम ने की अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थन की तारीफ

ये टिप्पणियां तब आईं जब नेतन्याहू ने चुनाव से पहले सार्वजनिक रूप से ट्रंप के समर्थन का जिक्र किया। रविवार देर रात टीवी पर एक संबोधन में, इजरायली प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थन की तारीफ की।

नेतन्याहू ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ऐसी दोस्ती दिखाई है, जो पहले कभी किसी इजरायली प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच नहीं देखी गई। मुझे नहीं लगता कि भविष्य में हमें फिर कभी इतना अच्छा दोस्त राष्ट्रपति मिलेगा।

उन्होंने कहा, उनके पास अभी दो साल और हैं, और उन्होंने आप सभी से मेरे पक्ष में वोट करने की अपील की है।रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने इजरायली नागरिकों से नेतन्याहू का समर्थन करने की अपील करते हुए लिखा था- प्रधानमंत्री पद के लिए बीबी नेतन्याहू को वोट दें, हमें उस काम को पूरा करना है जिसे हमने शुरू किया था !नेतन्याहू ने यह भी संकेत दिया कि दोनों देश ईरान के खिलाफ और कदम उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ऐसे कदम उठाने को तैयार हैं, जो आखिरकार ईरान से जुड़े खतरे को पूरी तरह खत्म कर देंगे।उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद और इजरायली रक्षा बलों (ढ्ढष्ठस्र) को ईरान में सत्ता परिवर्तन (रेजीम चेंज) की दिशा में काम करने का निर्देश दिया है। इस बीच, एग्जिट पोल के अनुसार नेतन्याहू के गुट और आइसेनकोट के गुट को लगभग 51-51 सीटें मिली हैं, जबकि अरब पार्टियों को करीब 18 सीटें मिली हैं।

टाटा ग्रुप से आई बड़ी खबर! नोएल टाटा 6 कंपनियों से एक साथ देंगे इस्तीफा



नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, टाटा समूह की छह कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा देंगे। इसकी वजह गैर-कार्यकारी निदेशकों के रिटायरमेंट के लिए समूह की नीति है। नोएल टाटा 12 नवंबर को 70 वर्ष के हो जाएंगे।

यह कदम नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक के कारोबार वाले इस समूह में नेतृत्व के एक बड़े बदलाव का संकेत है, जहां नोएल टाटा फिलहाल कई सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में अहम पदों पर हैं।

किन कंपनियों की है जिम्मेदारी- नोएल ट्रेंट, वोल्टास, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन, टाटा इंटरनेशनल और समूह की अन्य कंपनियों में गैर-कार्यकारी निदेशक के तौर पर नियुक्त हैं। इसके साथ ही, वे टाटा स्टील और टाइटन कंपनी में वाइस-चेयरमैन की भूमिका भी निभा रहे हैं।

छह ऑपरेटिंग कंपनियों के बोर्ड से हटने के बावजूद, नोएल टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर बने रहेंगे।

टाटा संस के बोर्ड में बने रहने से, वे इस बड़े कारोबारी समूह के कामकाज और प्रबंधन में एक प्रभावशाली भूमिका निभाते रहेंगे, क्योंकि टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की कुल हिस्सेदारी लगभग 66 प्रतिशत है। वह ट्रेंट हाइपरमार्केट लिमिटेड में भी बने रहेंगे। यह ट्रेंट और टेस्को का एक जॉइंट वेंचर है, जो स्टार बाजार और स्टार डेली रिटेल चेन चलाता है।हालांकि, उनके अन्य कई डायरेक्टर पदों और लीडरशिप भूमिकाओं के लिए उत्तराधिकार योजनाओं की औपचारिक घोषणा अभी बाकी है। यह बदलाव टाटा समूह के लिए एक अहम समय पर हो रहा है, क्योंकि इस समय गवर्नेंस, बोर्ड में नियुक्तियों और टाटा संस की भविष्य की दिशा को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

गवर्नेंस नियमों का सख्ती से पालन- ऑपरेटिंग कंपनियों के बोर्ड से नोएल टाटा का रिटायर होना यह दिखाता है कि टाटा समूह अपने आंतरिक गवर्नेंस नियमों का सख्ती से पालन करता है। इन नियमों के अनुसार, गैर-कार्यकारी निदेशकों के लिए रिटायरमेंट की उम्र 70 साल है, जबकि कार्यकारी निदेशकों के लिए यह 65 साल है।कॉर्पोरेट गवर्नेंस के जानकारों का मानना है कि रिटायरमेंट के ऐसे नियमों का पालन करना संस्थागत अनुशासन की निशानी है।

यह बात बड़े बिजनेस समूहों के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां प्रमोटर कंपनियां बोर्ड के गठन और लीडरशिप से जुड़े फैसलों पर काफी प्रभाव डालती हैं।टाटा समूह की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक होने के नाते, नोएल टाटा के कई बोर्ड से हटने के बाद ट्रेंट, वोल्टास, टाटा इंटरनेशनल और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन जैसी कंपनियों में लीडरशिप में बदलाव होगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री यादव से की सौजन्य भेंट, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के विकास एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर की चर्चा



भोपाल ब्यूरो । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मध्यप्रदेश प्राकृतिक संपदा, समृद्ध वन संपदा और जैव-विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य में पर्यावरण संरक्षण, वन क्षेत्रों के संवर्धन, वन्य जीवों के संरक्षण तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत से राज्य मंत्री लोधी ने की भेंट, जागेश्वरनाथ लोक बांदकपुर के विकास कार्यों के लिए राशि जारी करने का किया अनुरोध



भोपाल ब्यूरो । संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने नई दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से सौजन्य भेंट की। उन्होंने प्रदेश में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रगतिरत विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। राज्य मंत्री लोधी ने दमोह जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल 'जागेश्वरनाथ लोक, बांदकपुर' के विकास का विषय प्रमुखता से रखा। उन्होंने बांदकपुर में जारी विकास कार्यों के आगामी चरण को गति देने के लिए आवश्यक वित्तीय राशि शीघ्र जारी करने का विशेष अनुरोध किया। स्वीकृत राशि उपलब्ध होने से निर्माण कार्यों को तीव्र गति मिलेगी, जिससे देश-प्रदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए उच्च स्तरीय नागरिक एवं बुनियादी सुविधाएं विकसित की जा सकेंगी। केंद्रीय मंत्री शेखावत को राज्य मंत्री लोधी ने प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों के सुदृढ़ीकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों से भी अवगत कराया।

कमलादेवी चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित

भोपाल ब्यूरो । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और भारतीय हस्तशिल्प के पुनर्जागरण की अग्रदूत, पद्म विभूषण से सम्मानित, कमलादेवी चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि हस्तशिल्प, लोककला और परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए कमलादेवी का समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

चम्पा बाई के निधन पर दु:ख व्यक्त किया

भोपाल ब्यूरो । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चंदेरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक जगन्नाथसिंह रघुवंशी की पूज्य माताजी श्रीमती चम्पा बाई के निधन पर दु:ख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिवार को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

बसों में शहर-गांव का सफर सुविधाजनक बना रही मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

डिजिटल तकनीक से आसान हो रहा टिकिट लेने का अनुभव

भोपाल (ब्यूरो)

- इंदौर, भोपाल, जबलपुर की सिटी बसों की टिकट बुकिंग 'चलो' मोबाइल ऐप से
- यात्री सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक से युक्त सीसीटीवी कैमरे
- वर्ष 2030-31 तक 15,000 से अधिक बसें चलाने का लक्ष्य

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार आम लोगों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती बस परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने और प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

मध्यप्रदेश परिवहन विज़न 2030-31 के तहत शहरों से लेकर गांवों तक बस सेवाओं का विस्तार करने, यात्रियों को निर्धारित समय पर बस उपलब्ध कराने, डिजिटल और मोबाइल ऐप आधारित टिकिट व्यवस्था लागू करने और इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य लोगों की यात्रा को आसान बनाना और सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सुविधाजनक बनाना है।

यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 की अनुशंसाओं के अनुरूप प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत हो चुकी है। प्रदेश में 351 बसें मध्यप्रदेश के 7 प्रमुख शहरों में दौड़ रही हैं। योजना अंतर्गत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में डिजिटल तकनीक से बस यात्रियों का टिकिट लेने का अनुभव आसान हो रहा है। साथ ही



इंदौर, भोपाल, जबलपुर की सिटी बसों में 'चलो' मोबाइल ऐप से ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

5,000 से अधिक बस मार्ग होंगे विकसित, 30 लाख से ज्यादा यात्रियों को मिलेगी सुविधा : मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के विज़न 2030-31 के तहत प्रदेश में सार्वजनिक बस परिवहन का व्यापक विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत 15,000 से अधिक सार्वजनिक बसों का संचालन होगा और 5,000 से अधिक बस मार्ग विकसित किए जाएंगे। विज़न के अनुसार, प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्रियों को बस सेवा से जोड़ने का लक्ष्य है। प्रदेश में 180 से अधिक बस डिपो एवं टर्मिनल विकसित किए जाएंगे। चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को बस नेटवर्क से सीधा जोड़ा जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शिक्षा, रोजगार, इलाज, व्यापार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

मोबाइल पर मिलेगी बसों की लोकेशन, डिजिटल टिकटिंग की सुविधा

प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। इसके अंतर्गत यात्रियों को मोबाइल पर बसों की लोकेशन, उनके आने-जाने का समय और निर्धारित मार्ग की जानकारी डिजिटल रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इंदौर में सिटी बस यात्रियों के लिए बस पास की व्यवस्था भी की गई है। डिजिटल टिकट और ऑनलाइन भुगतान से यात्रियों के लिए टिकट लेना आसान हुआ है। टिकटों की डिजिटल निगरानी से किराये से होने वाली आय में पारदर्शिता आएगी और गड़बड़ी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। बसों में सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सुरक्षा प्रणालियां लगाने से यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर बनाया जा रहा है।

पीपीपी मॉडल से बसों का संचालन

प्रदेश में बस परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अपनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत निजी बस संचालकों का चयन पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है। बसों के संचालन, समय-सारणी, यात्री सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियम तय किए गए हैं।

बसों की संख्या और फेरे बढ़ने से यात्रियों को मिलेगी सुविधा : यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप बसों के मार्गों और संचालन समय में सुधार किया जाएगा। इससे उन क्षेत्रों में बस सेवाएं बढ़ाने में मदद मिलेगी, जहां यात्रियों को लंबे समय तक बसों का इंतजार करना पड़ता है। सुरक्षित बस स्टैंड, स्वच्छ प्रतीक्षालय और बेहतर यात्री टर्मिनल विकसित होने से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों सहित सभी यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी।

रतलाम मंडल की यात्रियों से अपील

पटाखे, गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल, अन्य ज्वलनशील पदार्थ लेकर न करें यात्रा

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा यात्रियों से सुरक्षित रेल यात्रा के लिए विशेष सतर्कता बरतने तथा रेलगाड़ियों एवं स्टेशन परिसर में ज्वलनशील और खतरनाक वस्तुएं लेकर नहीं चलने की अपील की गई है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, त्योहारों के दौरान रेल यात्रा करते समय पटाखे, आतिशबाजी के अन्य सामान, गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, ज्वलनशील तेल, स्पिरिट, थिनर, पेंट में उपयोग होने वाले ज्वलनशील पदार्थ, ज्वलनशील रसायन तथा आग लगने या विस्फोट होने का खतरा पैदा करने वाली अन्य वस्तुएं अपने साथ लेकर न चलें। इन वस्तुओं से आग लगने, विस्फोट होने तथा यात्रियों की जान-माल को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। विशेषकर त्योहारों के दौरान रेलगाड़ियों एवं स्टेशन परिसर में अधिक भीड़ होने के कारण ऐसी लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

रेल यात्रा के दौरान निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु अथवा सुरक्षा संबंधी गतिविधि की जानकारी तत्काल रेलवे सुरक्षा बल अथवा रेलकर्मियों को दें। यात्री किसी भी परिस्थिति में रेल परिसर में आग जलाने या ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग करने से बचें तथा सुरक्षा जांच में रेलवे प्रशासन का सहयोग करें। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल सभी यात्रियों से अपील करता है कि त्योहारों की खुशियां मनाते समय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज दिखाएंगे हरी झंडी

गुजरात को मिलेगी दो नई रेल सेवाओं की सौगात

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 अक्टूबर 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात में दो नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इनमें साबरमती-वाराणसी एक्सप्रेस तथा महेसाणा-बेचराजी-साबरमती मेमू ट्रेन सेवा शामिल हैं। इस अवसर पर साबरमती स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री, गुजरात सरकार दर्शनाबेन वाघेला, महापौर, अहमदाबाद हितेशभाई बारोट, सांसद हसमुखभाई पटेल, दिनेशभाई मकवाना, विधायक डॉ. हर्षदभाई पटेल, जगदीशभाई विश्वकर्मा, कौशिक जैन सहित अन्य विधायकगण एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। वहीं, बेचराजी स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद हरिभाई पटेल, मयंक नायक, राजेश शुक्ला, चंदूभाई सिहोरा, विधायक सुखाजी ठाकोर सहित अन्य गणमान्य



अतिथि उपस्थित रहेंगे।

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने इन नई रेल सेवाओं के शुभारंभ को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेलवे आधुनिक, सुलभ एवं यात्री-केंद्रित परिवहन व्यवस्था की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। गुजरात को साबरमती-वाराणसी एक्सप्रेस तथा महेसाणा-बेचराजी-साबरमती मेमू के रूप में दो नई रेल सेवाओं की सौगात मिलना क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साबरमती-वाराणसी एक्सप्रेस से गुजरात, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा तथा काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। वहीं, महेसाणा-बेचराजी-साबरमती मेमू सेवा से उत्तर गुजरात के दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों एवं व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही, प्रसिद्ध बहुचर माता मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेल यात्रा अधिक सुगम होगी। इन दोनों रेल सेवाओं से धार्मिक पर्यटन, स्थानीय व्यापार, औद्योगिक गतिविधियों एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलने की अपेक्षा है। अहमदाबाद मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक, विश्वसनीय एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने तथा रेल कनेक्टिविटी के निरंतर विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

साबरमती-वाराणसी एक्सप्रेस से तीन राज्यों के बीच रेल संपर्क होगा मजबूत

नई ट्रेन संख्या 12205/12206 साबरमती-वाराणसी एक्सप्रेस गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों को रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। यह ट्रेन प्रतिदिन संचालित होगी तथा यात्रियों को अहमदाबाद और वाराणसी के बीच सुविधाजनक रेल यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से श्रद्धालुओं, पर्यटकों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ धाम एवं अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सेवा सुविधाजनक साबित होगी। इसके अतिरिक्त, गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच व्यापारिक, पर्यटन एवं सामाजिक संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा।

ट्रेन संख्या 12205 साबरमती-वाराणसी एक्सप्रेस साबरमती से सुबह 05:20 बजे प्रस्थान करेगी।

आज एक लाख से अधिक आंगनवाड़ी, विभागीय संस्थाओं में चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

भोपाल (ब्यूरो)



- स्वच्छता अभियान 6.0 के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों, बाल देखरेख संस्थाओं और महिला आश्रय गृहों में होंगी विशेष गतिविधियाँ

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 30 अक्टूबर को प्रदेशव्यापी एक दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 'विशेष अभियान 6.0' के अंतर्गत प्रदेश के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों, बाल देखरेख संस्थाओं, वन स्टॉप सेंटर, सखी निवास और शक्ति सदन में व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का उद्देश्य विभागीय संस्थाओं को स्वच्छ, सुरक्षित, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है।

अभियान के अंतर्गत मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 से जुड़े जिला एवं परियोजना कार्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में विशेष साफ-सफाई की जाएगी। कार्यालयों और केंद्रों के सौंदर्यीकरण के लिए आकर्षक वॉल पेंटिंग, रंग-रोगन, आवश्यक मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। परिसर में अनुपयोगी एवं अव्यवस्थित स्थानों को व्यवस्थित कर उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। इसके अंतर्गत पौधरोपण, जैविक कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन तथा इलेक्ट्रॉनिक कचरे के संग्रहण, पृथक्करण और सुरक्षित निपटान जैसी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

जनसमस्याओं के समाधान पर विशेष जोर : राज्य में 30 अक्टूबर को जनसमस्या निवारण दिवस के रूप में भी मनाया जाएगा। इस दौरान पोषण सेवाओं और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से संबंधित शिकायतों के अधिकतम निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और पात्र हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराना है। अभियान की प्रभावी निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित संस्थाओं को स्वच्छता कार्यों के पहले और बाद के छायाचित्र लेने तथा गतिविधियों का विवरण संबंधित पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

रायसेन में आज शिवराज सिंह के मुख्य आतिथ्य में होगा पीएम किसान सम्मान निधि का वितरण

भोपाल। मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार, 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किश्त के वितरण पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम आयोजित जा रहा है। रायसेन कलेक्टर रोहित सिसोनिया ने गुरुवार को कार्यक्रम स्थल पॉलीटेक्निक कॉलेज पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान 30 अक्टूबर को प्रात: 08.45 बजे भोपाल से प्रस्थान कर प्रात: 09.45 बजे रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज पहुचेंगे तथा यहां प्रधनमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

बालक सगन लाल को मिला नया जीवन : उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आरबीएसके टीम के प्रयासों की सराहना की

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम मातला निवासी पांच वर्षीय बैगा जनजातीय के बालक सगन लाल धुर्वे के सफल उपचार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की टीम तथा सहयोगी विभागों के प्रयासों की सराहना की है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। आरबीएसके की टीम ने संवेदनशीलता, समर्पण और निरंतर प्रयासों से यह सुनिश्चित किया कि कठिन परिस्थितियों के कारण कोई भी बच्चा उपचार से वंचित न रहे।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज में सफल उपचार के बाद लौटा घर



बीमारी की पहचान से सफल उपचार तक सतत प्रयास : विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवार के पांच वर्षीय सगन लाल को जीभ के असामान्य रूप से बढ़ने (मैक्रोग्लॉसिया) तथा लिम्फेटिक-वैस्कुलर मलफ़ॉर्मेशन की समस्या थी। आरबीएसके टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बीमारी की पहचान कर उपचार के प्रयास शुरू किए। परिजनों की आर्थिक-सामाजिक परिस्थितियों और अंधविश्वास के कारण अस्पताल पहुंचने में आ रही कठिनाइयों के बावजूद टीम ने हार नहीं मानी। स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस प्रशासन के समन्वित प्रयासों से बालक को जिला चिकित्सालय बालाघाट से बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर पहुंचाया गया।

समन्वय और संवेदनशीलता से मिली सफलता

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया के निर्देशन में उपचार एवं परिजनों की देखरेख की विशेष व्यवस्था की गई। जबलपुर में उपचार के समन्वय की जिम्मेदारी उप संचालक डॉ. सोनाली ठाकरे ने निभाई। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक, आरबीएसके बालाघाट राजाराम चक्रवर्ती का बालक को ग्राम मातला से मेडिकल कॉलेज जबलपुर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। उपचार की नियमित निगरानी के लिए तत्कालीन सगन लाल के उपचार में आरबीएसके टीम, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस प्रशासन और मेडिकल कॉलेज जबलपुर के चिकित्सकों ने समन्वय से कार्य किया। आरबीएसके टीम ने बीमारी की पहचान से लेकर विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने तक लगातार प्रयास किए, जिसके फलस्वरूप बालक का सफल उपचार हुआ।

1987 में खरीदे भूखंड पर कब्जे का आरोप

फर्जी रजिस्ट्री से नामांतरण कराने की शिकायत

- कलेक्टर, निगम आयुक्त और पुलिस से जांच, निर्माण रुकवाने की मांग

भोपाल (ब्यूरो)



2022 और 2023 में भी की थी शिकायत अब निष्पक्ष जांच की मांग

अजय कुमार के अनुसार, उन्होंने 10 अगस्त 2022 और 4 नवंबर 2023 को भी ऐशबाग थाने में आवेदन दिए थे, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि कथित विवादित रजिस्ट्री के आधार पर भवन निर्माण की अनुमति लेने और नगर निगम व राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण कराने की प्रक्रिया अपनाई गई। उन्होंने प्रशासन से मूल दस्तावेजों और संबंधित रिकॉर्ड की जांच कर भूखंड के वास्तविक स्वामित्व का निर्धारण करने की मांग की है।

पद्मनाभ कॉलोनी में करीब चार दशक पहले खरीदे गए भूखंड के मालिकाना हक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अजय कुमार ने भूखंड क्रमांक सी-37 पर कथित फर्जी रजिस्ट्री और भवन निर्माण अनुमति के आधार पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और ऐशबाग थाना प्रभारी से शिकायत की है। उनका दावा है कि वर्ष 1987 में संगम सहकारी गृह निर्माण समिति से खरीदे गए भूखंड के दस्तावेज उनके नाम पर हैं, इसके बावजूद दूसरे लोगों ने कथित तौर पर दस्तावेजों के कुमार ने भूखंड पर एक कमरा बनवाकर उसमें ताला लगाया था। उनका आरोप है कि रुचि सराफ और हेमलता जैन ने ताला तुड़वाकर वहां पर नामांतरण कराने का आरोप भी लगाया है। शिकायतकर्ता ने रजिस्ट्री में दस्तावेज क्रमांक, पुस्तक क्रमांक, पृष्ठ संख्या और पंजीयन की तारीख





स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक , प्रकाशक **साहबजादा अब्दुल रशीद खान** द्वारा आर.के. एण्ड प्रिंटर्स 7 नीम वाली सड़क जिंसी जहांगीराबाद भोपाल म.प्र.482008 से मुद्रित तथा 424, मेहंदी वालीगली, तलैया भोपाल म.प्र. 462001 से प्रकाशित।
सम्पादक- अज़रा बैगम (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI No. MPHIN/2021/82412